हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 154, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 4 दिसम्बर, 2023 दिन सोमवार | गाजीपुर/वाराणसी

मोदी लहर 24 से पहले फिर नमो नमो

मध्य प्रदेश में बीजेपी ने 230 में से 165 सीटों पर जमाया अपना कब्जा

प्रखर डेस्क/एजेन्सी। दक्षिण भारत में शानदार प्रदर्शन करते हुए उसने तेलंगाना फतह कर लिया, लेकिन राजस्थान और छत्तीसगढ़ जैसा मजबूत किला गंवा दिया। चार राज्यों के विधानसभा चुनावों में राजस्थान, तेलंगाना और मध्य प्रदेश में वही हुआ, जिसका अंदाजा तमाम मीडिया लगा रहा था। मध्य प्रदेश में जनता ने शिव को फिर से राज करने जनादेश दे दिया। तो राजस्थान में जनता जर्नादन ने अपनी परंपरा को जारी रखते हुए सत्तापक्ष को 5 साल के बाद विपक्ष में बैठा दिया। बात करते हैं तेलंगाना की, जहां तो कमाल ही हो गया। राज्य बनने के बाद से ही मुख्यमंत्री रहे के. चंद्रशेखर राव से सत्ता की चाबी छीन ली गई और सौंपी गई कांग्रेस के हाथों में।

उम्मीद की जा रही थी कि विधानसभा चुनावों में स्कोर 2-2 से बराबर रहेगा। लेकिन छत्तीसगढ़ में बीजेपी ने तमाम अनुमानों को झूठा साबित करते हुए मैच ही पलटकर रख दिया। शुरूआत अंडरडॉग के तौर पर की, लेकिन दोपहर होते-होते जीत का परचम लहरा दिया। मध्य प्रदेश और राजस्थान को लेकर तो पहले ही कयास थे कि यहां इस बार भगवा

लहराएगा।

मध्य प्रदेश में शिव का राज- मध्य प्रदेश में बीजेपी ने फिर से शानदार प्रदर्शन करते हुए 230 में से 165 सीटों पर अपना कब्जा जमा लिया है। बड़ी बात रही कि 2018 में बीजेपी को जो मंत्री हारे थे, उनमें से अधिकतर ने फिर से जीत दर्ज कर ली। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक लाख से ज्यादा वोटों से जीत दर्ज फिर से सीएम बनने का दावा पेश कर दिया। कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ भी पीछे चल रहे हैं। साल 2018 में हालांकि बीजेपी और कांग्रेस के बीच कड़ी टक्कर रही थी। बीजेपी ने 109 सीटों पर जीत दर्ज की जबकि कांग्रेस ने 114 सीटों पर जीत दर्ज की थी। एग्जिट पोल पहले ही बता रहे थे कि राजस्थान में मुकाबला कड़ा रहेगा, लेकिन दोपहर होते-होते सब कुछ एकतरफा हो गया। खबर लिखे जाने तक राजस्थान में 61 सीटों पर जीत दर्ज कर ली और 54 सीटों पर बढ़त बना ली थी। मतलब कुल 115 सीटों पर पार्टी की बढ़त है। कांग्रेस महज 69 सीटों पर ही सिमटती दिख रही है। इनमें से 35 उसने जीत ली और 34 पर आगे चल रही थी।

करीब 15 सीटों पर निर्दलीय और छोटे दलों ने भी बढ़त बना रखी है। बीजेपी के प्रमुख चेहरे वसुंधरा राजे, महंत बालक नाथ, दीया कुमारी, राज्यवर्धन सिंह राठौड़, किरोड़ीलाल मीणा ने अपनी-अपनी सीट पर दर्ज कर ली। कांग्रेस की ओर से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट भी आगे चल रहे हैं। दिव्या मदेरणा, पीसी जोशी और सतीश पनिया को हालांकि हार मिली हैछत्तीसगढ़ में बड़ा खेला हो गया। तमाम एग्जिट पोल कांग्रेस को जीत दिला रहे थे। शुरूआती एक घंटे की गिनती के बाद अनुमान सच होते दिख रहे हैं। बीजेपी ने 56 सीटों पर बढ़त बना ली है, जिनमें से 4 पर उसे जीत मिल गई है जबकि 52 सीटों पर आगे चल रही है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को भी जीत के लिए मशक्कत करनी पड़ रही है। उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव को हार का सामना करना पड़ा है। सीएम पद के दावेदार रमन सिंह राजनांदगांव से जीत दर्ज कर ली है। तेलंगाना में कांग्रेस का कमाल

पहली बार तेलंगाना में कांग्रेस सरकार बनाने जा रही है। के. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व ने केसीआर की सरकार को करारी हार का स्वाद चखा दिया। कांग्रेस ने 119 में से 63 सीटों पर बढ़त बना ली है, जिनमें से 20 सीट जीत ली हैं और 43 पर वह आगे है।

सत्तारूढ़ दल बीआरएस महज 40 सीटों पर ही आगे है, जो पिछली बार की तुलना में 43 सीटें कम हैं। बीजेपी यहां दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू पाई। वह महज 8 सीटों पर ही बढ़त बना पाई। ओवैसी की ओवैसी को पार्टी भी कांग्रेस के आगे नहीं टिक पाई। उसके खाते में सिर्फ 7 सीट आई हैं।

सीएम योगी बोले, तीन राज्यों में प्रचंड जीत 'मोदी की गारंटी' पर 'जनता के विश्वास की गारंटी' है

लखनऊ। राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में भाजपा की जीत से उत्साहित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे मोदी की गारंटी पर जनता के विश्वास की गारंटी का परिणाम बताया है और कार्यकताओं को जीत की बधाई दी है। उन्होंने एक्स पर बधाई देते हुए लिखा कि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में चार राज्यों के चुनाव परिणामों में तीन राज्यों में बीजेपी की भारी बहुमत से हैट्रिक लगना 'मोदी की गारंटी' पर 'जनता के विश्वास की गारंटी' है। भारतीय जनता पार्टी के समर्पित कार्यकताओं एवं सम्मानित मतदाताओं को

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं। यूपी के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि इन नतीजों से साफ है कि भारत के मन में मोदी है। मोदी के मन में भारत है। उन्होंने कहा कि कमल खिलने का मतलब सुशासन और विकास की गारंटी है। उन्होंने कहा कि भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व का पूरे देश की राजनीति में डंका बज रहा है...आज पूरे आत्मविश्वास से हम कह सकते हैं कि भारत के मन में मोदी जी हैं और मोदी जी के मन में भारत है...मध्य प्रदेश में हमारी सरकार प्रचंड बहुमत के साथ फिर वापस आ रही है। राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कमल खिल गया है... कमल खिलने का मतलब है सुशासन और विकास की गारंटी। अभी तक आए रुझानों में कांग्रेस को सिर्फ तेलंगाना में ही जीत मिली है। मध्य प्रदेश और राजस्थान में हार के साथ ही छत्तीसगढ़ उसके हाथों से निकल गया है।

सीएम नीतीश कुमार की पार्टी को एमपी में झटका, नौ में से चार सीट पर सौ वोट भी नहीं ला पाई जदयू

पटना। इंडी गठबंधन के अगुवा बने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को उनकी पार्टी के नेता प्रधानमंत्री के रूप में दे रहे थे। कई सभाओं में सीएम नीतीश कुमार प्रधानमंत्री के रूप में देखते हुए नारे भी लगाए गए। लेकिन, ऐसा लगता है कि विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाईटेड की किस्मत ठीक नहीं। ऐसा हम नहीं बल्कि मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव का परिणाम कह रहा। इस रिजल्ट ने सीएम नीतीश कुमार के राष्ट्रीय नेता बनने के अरमानों ने पानी फिरता दिख रहा।

चार सीट पर तो सौ वोट भी नहीं ला पाए जदयू प्रत्याशी- दरअसल, सीएम नीतीश कुमार की पार्टी जदयू ने दस सीट पर अपने उम्मीदवार घोषित किए थे। इनमें से नौ सीटों पर जदयू के प्रत्याशियों ने अपनी किस्मत आजमाई। नरयोली सीट पर उम्मीदवार की घोषणा के बाद भी जदयू चुनाव नहीं लड़ सकी। लेकिन, अब तक आए चुनाव रुझान के अनुसार, सभी सीटों पर निराशा ही हाथ लगी। एक सीट (थंडला विधानसभा) पर आए नतीजे पर वोट की संख्या हजार पार कर पाई। बाकी चार सीटों पर तो सौ वोट भी जदयू प्रत्याशी नहीं ला पाए।

तीन राज्यों में राहुल गांधी की हार पर जदयू ने कहा- कांग्रेस ने इंडिया गठबंधन से दूरी बना ली थी

पटना। चार में से तीन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की जीत के बाद अब इंडिया गठबंधन के नेताओं का बयान सामने आने लगा है। सभी विपक्षी दलों को एकजुट करने में अगुवा की भूमिका निभाने वाले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाईटेड ने कांग्रेस की हार को इंडिया गठबंधन की हार मानने से इनकार कर दिया है। जदयू का कहना है कि कांग्रेस ने राज्य चुनावों में इंडिया गठबंधन के सभी घटकों को साथ नहीं लेकर गलती की है। जेडीयू के वरीय नेता और मुख्य प्रवक्ता केसी त्यागी ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि कहा कि यह नतीजे बेहतर भी हो सकते थे। इसको इंडिया गठबंधन से मत जोड़िये। इंडिया गठबंधन चुनाव में कहीं नहीं था। सिर्फ कांग्रेस पार्टी चुनाव लड़ रही थी। यह इलाके कांग्रेस पार्टी के गढ़ माने जाते है। पिछले चुनाव में भी इन तीनों राज्यों में कांग्रेस की सरकार बनी थी। लिहाजा यह भाजपा की जीत और कांग्रेस की हार है। इसका इंडिया गठबंधन से कोई रिश्ता नहीं है। कांग्रेस ने चुनाव से पहले अपने घटक दलों से दूरी बना ली थी। वह इन राज्यों में किसी और दल के उपस्थिति के पक्ष में नहीं थी। जदयू, राजद और सपा ने भी प्रयास किया कि नॉमिनल नॉमिनेशन इन दलों को मिलना चाहिए। समाजवादी आंदोलन का इन इलाकों में काफी असर रहा है। अखिलेश यादव और ललन सिंह प्रयासरत थे। अब यह तय हो गया है कि कांग्रेस पार्टी अपने बलबूते पर भाजपा को पराजित नहीं कर सकती है। क्षेत्रीय दल जो बेहतर स्थिति में हैं, उन्हें कांग्रेस को साथ देना चाहिए। क्षेत्रिय अस्मिता की दल

अपने-अपने राज्य में बेहतर करेंगे और भाजपा को चुनौती देंगे। मल्लिकार्जुन खरगे ने 6 दिसंबर को इंडिया गठबंधन की बैठक बुलाई है। बिहार सरकार के मंत्री और सीएम नीतीश कुमार के करीबी विजय चौधरी ने कहा कि उन्होंने कहा कि आम तौर पर सवाल नतीजे आने के बाद ही पूछे जाने चाहिए, न कि तब जब हमारे पास केवल रुझान हों। फिर भी, यह कहा जा सकता है कि रुझान राष्ट्रीय राजनीति के लिए सकारात्मक संकेत की ओर इशारा करते हैं। दरअसल, सीएम नीतीश कुमार की पार्टी जदयू ने दस सीट पर अपने उम्मीदवार घोषित किए थे। इनमें से नौ सीटों पर जदयू के प्रत्याशियों ने अपनी किस्मत आजमाई। नरयोली सीट पर उम्मीदवार की घोषणा के बाद भी जदयू चुनाव नहीं लड़ सकी। लेकिन, अब तक आए चुनाव रुझान के अनुसार, सभी सीटों पर निराशा ही हाथ लगी। एक सीट (थंडला विधानसभा) पर आए नतीजे पर वोट की संख्या हजार पार कर पाई। बाकी चार सीटों पर तो सौ वोट भी जदयू प्रत्याशी नहीं ला पाए।

जमानत के हकदार आरोपी को सीमित समय तक ही राहत देना अवैध, सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जब कोई अदालत यह निष्कर्ष निकालती है कि कोई आरोपी मुकदमे की सुनवाई पूरी होने तक जमानत पाने का हकदार है तो उसे अल्प अवधि के लिए ही राहत देना अवैध है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसे आदेश स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन है। बता दें कि एनडीपीएस एक्ट 1985 के तहत आरोपी एक व्यक्ति ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इसी याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उक्त टिप्पणी की। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस पंकज मित्तल की पीठ ने 29 नवंबर को दिए अपने आदेश में कहा कि हकदार होने के बावजूद अल्प अवधि के लिए जमानत देना संविधान के अनुच्छेद 21 का उल्लंघन है। याचिकाकर्ता ने ओडिसा हाईकोर्ट के आदेश के

खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट के जज ने भी माना था कि याचिकाकर्ता लंबे समय तक जमानत पाने का अधिकारी है। इसके बावजूद याचिकाकर्ता को सिर्फ 45 दिन की अंतरिम जमानत दी गई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमने देखा है कि यह पांचवां या छठा आदेश है जो उसी हाईकोर्ट से आया है, जिसमें आरोपी को लंबे समय तक जमानत पर रिहा करने के योग्य माना गया था लेकिन इसके बावजूद याचिकाकर्ता को कम समय के लिए जमानत दी गई।

मुख्यमंत्री योगी ने 242 युवाओं को दिया नियुक्ति पत्र, बोले- अधिकार से अधिक कर्तव्य महत्वपूर्ण है

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नियुक्ति पत्र पाने वालों के लिए अवसर है लेकिन हमें जिम्मेदारियां भी समझनी होगी। प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं कि अधिकार की बात हर कोई करता है, लेकिन कर्तव्य के बारे में भी जानकारी होनी चाहिए। अधिकार से अधिक कर्तव्य महत्वपूर्ण है, कर्तव्य का निर्वहन करेंगे तो अधिकार सुरक्षित हो जाएगा। जब समाज अधिकारों की बात करता है और कर्तव्यों की बात नहीं करता तो वह स्वयं को धोखा देता है। कर्तव्य किया तो बिना सिफारिश, बिना भेदभाव आपका चयन हुआ। पारदर्शी प्रक्रिया के तहत राज्य में साढ़े छह वर्ष में छह लाख लोगों को नौकरी मिली। सीएम ने कहा कि हमारा परिश्रम ही सबसे बड़ा सर्टिफिकेट है। परिश्रम की पराकाष्ठा करते हुए आपको यूपी के सर्वांगीण विकास में योगदान देना चाहिए। यह बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा आयोग द्वारा चयनित 242 सहायक बोरिंग टेक्नीशियन को रविवार को लोकभवन में नियुक्ति पत्र वितरण करते हुए कहीं। सीएम ने नवचयनितों को पीएम मोदी के पंच प्रण की भी याद दिलाई।

2017 के पहले यूपी में नौकरी नहीं थी और बाहर छंटनी होती थी- सीएम ने कहा कि बेहतर कानून व्यवस्था, केंद्र-प्रदेश सरकार की योजनाओं व स्वतः रोजगार के जरिए करोड़ों लोगों को रोजगार से जोड़ने में सफलता पाई। हमारी मंशा है कि

युवाओं के साथ भेदभाव न हो। जिन्हें विकास अच्छा नहीं लगता, वे हर मुद्दे का राजनीतिकरण करने का प्रयास करते हैं। ऐसे लोग नहीं चाहते कि विकास की प्रक्रिया में यूपी को आगे बढ़ा सकें। 2017 के पहले जिस राज्य को अग्रणी अर्थव्यवस्था के रूप में होना चाहिए, वह पिछड़ता गया। उस समय देश में यूपी छठवें स्थान पर था। यूपी के नौजवान यहां नौकरी नहीं पाते थे और बाहर जाने पर यूपी का होने के कारण छंटनी हो जाती थी, लेकिन आज युवा व नागरिक सम्मानजनक व्यवहार पाते हैं। अब तो पारदर्शी तरीके से नौकरी, रोजगार व स्वरोजगार भी है। इस अवसर पर जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, जलशक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद, मुख्य सचिव दुगार्शंकर मिश्र, नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव, सचिव डॉ. बलकार सिंह आदि मौजूद रहे।

2022 में डबल इंजन की सरकार आई तो रोजगार की बहार लाई- सीएम ने कहा कि 2022 में दूसरी बार डबल इंजन की सरकार आई तो भी युवाओं के लिए रोजगार की बहार लाई। उन्होंने बताया कि जेई (सिंचाई व जलसंसाधन) के 1438 अभ्यर्थी, उप्र लोकसेवा आयोग के द्वारा प्रवक्ता व सहायक अध्यापकों के 436 पद, 271 खंड विकास अधिकारी, 49 उपजिलाधिकारी, 110 नायब तहसीलदार, 31277 सहायक अध्यापक (बेसिक शिक्षा), 1160 डिप्टी कलेक्टर, बीएसए, प्रवक्ता, समीक्षा अधिकारी व गन्ना पर्यवेक्षक की नियुक्ति हुई। 267 नायब तहसीलदार, प्रवक्ता व सहायक अध्यापक की नियुक्ति प्रक्रिया को पूरा किया गया। 332 आबकारी सिपाहियों की नियुक्ति हुई। 1354 स्टाफ नर्स, 431 वरिष्ठ प्राविधिक सहायक (कृषि सेवा), 9055 सब इंस्पेक्टर (सिविल, पीएसी, प्लाटून कमांडर व अग्निशमन अधिकारी), 2021 के चयनित 496 पीसीएस अफसरों को नियुक्ति पत्र दिया गया। विभिन्न विभागों के नवचयनित 795 अधिकारी, 7182 एएनएम, 1148 उप व सहायक उपनिरीक्षकों की भर्ती हुई। सीएम ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय खेल स्पधाओं (ओलंपिक, विश्व चैंपियनशिप, एशियन गेम्स) में पदक लाने वाले खिलाड़ियों को भी नियुक्ति पत्र दिया गया। पहली बार यूपी पुलिस में 277 आरक्षियों व दूसरी बार में 333 खिलाड़ियों को नियुक्ति पत्र दिया गया। 510 समीक्षा अधिकारी, 400 समीक्षा अधिकारी, कार्यशाला अनुदेशक व कनिष्ठ सहायक, 1573 एएनएम स्वास्थ्य कार्यकत्री, 240 कनिष्ठ सहायक व 293 होम्योपैथिक फार्मासिस्ट की भर्ती प्रक्रिया को कुशलता पूर्वक संपन्न किया।

उमेश पाल हत्याकांड : अशरफ की पत्नी जैनब का घर पुलिस ने किया कुर्क, हटवा में मुनादी कराकर की गई कार्रवाई

प्रयागराज। उमेश पाल हत्याकांड में आरोपी माफिया अशरफ की पत्नी जैनब के घर की रविवार को कुर्की की गई। बड़ी संख्या में फोर्स के साथ धूमनगंज के हटवा पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने जैनब के घर की कुर्की की। उमेश पाल हत्याकांड के बाद से अशरफ की पत्नी फरार है। हाल ही में जैनब सहित उसके घर वालों पर वक्फ की प्रॉपर्टी बेचने को लेकर मुकदमा दर्ज किया गया है। उमेश पाल हत्याकांड के आरोपी बमबाज गुड्डू उर्फ गुड्डू मुस्लिम और शूटर साबिर के घर की कुर्की पुलिस ने शनिवार को किया था। गुड्डू मुस्लिम के चकिया स्थित चकनिरातुल और धूमनगंज के मरियाडीह स्थित साबिर के घर की कुर्की की गई थी। यह कार्रवाई अदालत के आदेश पर की गई। विधायक राजू पाल की हत्या के मामले में मुख्य गवाह उमेश पाल और उसके दो सुरक्षा कर्मियों की दिनदहाड़े गोली मारकर 24 फरवरी को हत्या कर दी गई थी। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया था। जिसमें माफिया अतीक अहमद का बेटा असद के साथ ही गुड्डू मुस्लिम, गुलाम हसन, साबिर और अरमान भी नजर आए थे। असद और गुलाम हसन को पुलिस ने झांसी में एनकाउंटर में मार गिराया था। गुड्डू मुस्लिम, अरमान और अरमान फरार चल रहे हैं। तीनों के ऊपर पुलिस ने पांच लाख रुपये का इनाम भी घोषित किया है। अतीक और अशरफ की

15 अप्रैल, 2023 को मेडिकल जांच के लिए ले जाते समय काल्विन अस्पताल के पास गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। दरअसल रात में अतीक अहमद और अशरफ को प्रयागराज में मेडिकल कॉलेज के पास मेडिकल के लिए ले जाया जा रहा था। अतीक और अशरफ मीडिया से बात कर रहे थे। तभी मीडियाकर्मी बनकर पहुंचे हमलावरों ने अतीक के सिर के पास गन सटाकर गोली मार दी थी।

संपादकीय

इकॉनमी की रफ्तार

मौजूदा वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई से सितंबर) में GDP ग्रोथ की बढ़ी हुई रफ्तार ने सबको चौंका दिया। किसी ने नहीं सोचा था कि इकॉनमी इस अवधि में 7.6 फीसदी की रफ्तार हासिल करेगी। रिजर्व बैंक का भी अनुमान 6.5 फीसदी की बढ़ोतरी का था। इस आंकड़े से जुड़े कुछ खास पहलू ध्यान देने लायक हैं। पहला, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर 13.9 फीसदी बढ़कर 7.15 लाख करोड़ रुपये तक जा पहुंचा है। दूसरा, कंस्ट्रक्शन क्षेत्र 13 फीसदी इजाफे के साथ 3.04 लाख करोड़ का हो गया है। तीसरा, निवेश में 11 फीसदी की बढ़त हुई है, जिसके बाद यह 14.71 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। हालांकि इन चमकते बिंदुओं के साथ ही ग्रोथ के आंकड़ों से जुड़े कुछ ऐसे भी पहलू हैं, जो राह में आगे खड़ी चुनौतियों की ओर संकेत करते हैं। एक बात तो यही है कि प्राइवेट खपत में बढ़ोतरी की रफ्तार काफी धीमी रही है। इस दौरान इसमें महज 3.1 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जो आमदनी के वितरण के लिहाज से अच्छी खबर नहीं कही जा सकती। यह बड़ी बात है क्योंकि देश के GDP में खपत की भागीदारी 60 फीसदी है। इसके अलावा एक अहम मसला है कृषि क्षेत्र का कमजोर प्रदर्शन। पहली तिमाही में 3.5 फीसदी की रफ्तार दिखाने वाला कृषि क्षेत्र दूसरी तिमाही में 1.2 फीसदी की बढ़ोतरी ही दर्ज करा सका। सबसे बड़ी बात यह है कि साल के अगले हिस्से में भी इस क्षेत्र में बढ़ोतरी की अच्छी संभावना नहीं दिख रही, जिसका असर ग्रामीण क्षेत्र की मांग पर पड़ सकता है। मगर इन चुनौतियों के बावजूद देश की इकॉनमी पूरी दुनिया की उम्मीद का आधार बनी हुई है। उसके पीछे एक बडा फैक्टर है टैक्स कलेक्शन के मजबूत आंकड़े। ध्यान देने की बात यह भी है कि पिछले तीन वर्षों में भारत सरकार ने वित्त घाटे में राजस्व घाटे का हिस्सा कम कर लिया है। सीधे शब्दों में इसका मतलब यह है कि कर्ज का बड़ा हिस्सा निवेश में लग रहा है। इसके अलावा घरेलू बचत के स्वरूप में भी बदलाव देखा जा रहा है। पिछले तीन वर्षों में म्युचुअल फंड में निवेश तेजी से बढ़ा है। खासकर 2021-22 में इसमें ढाई गुना बढ़ोतरी देखी गई और उसके अगले साल यानी 2022-23 में 12 फीसदी की वृद्धि हुई। साफ है कि भारतीय अर्थव्यवस्था अगर दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई इकॉनमी है और इसे वैश्विक तौर पर ब्राइट स्पॉट माना जा रहा है तो यह स्थिति तुरंत बदलने वाली नहीं है। रिजर्व बैंक सालाना GDP के अनुमान में बदलाव लाता है या नहीं, यह देखना होगा। लेकिन कई स्वतंत्र विश्लेषक ऐसे संशोधित अनुमान पेश कर चुके हैं। मसलन, बार्कलेज ने इसे 6.3 से बदलकर 6.7 कर दिया है। मगर 6.3 फीसदी की अनुमानित विकास दर के साथ भी भारत IMF के अक्टूबर में जारी वर्ल्ड इकॉनमिक आउटलुक प्रोजेक्शन में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में शामिल था। जाहिर है, कोई अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव नहीं हुआ तो भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की उम्मीद बनी रहेगी।

कौन रहा पनौती?

खुली सबकी पोल ।
कौन कितना पानी ।।
बनने लगी आगे की ।
लगता अलग कहानी ।।
बड़े बोल वाले आज ।
हुए धराशाई ।।
जिसको था बनाना ।
उसने राह बनाई ।।
जनता ने फिर फैसला ।
आज है सुनाया ।।
कौन रहा पनौती ?
स्पष्ट है बताया ।।
चक्कर राजनीति का ।
अब तक समझ न आया ।।
दी पहले खुशहाली ।
है पुनः भरमाया ।।

–कृष्णेन्द्र राय

ईश्वरीय शक्ति का अद्भुत चमत्कार है श्रमिकों का सुरक्षित बाहर निकलना

मृत्युंजय दीक्षित

उत्तराखंड राज्य के उत्तरकाशी जिले के पास सिल्क्यारा सुरंग में 17 दिन से फंसे आठ राज्यों के 41 कर्मवीरों को 17 दिन बाद सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। इस खतरनाक हादसे और फिर कर्मवीरों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए जिस प्रकार ऑपरेशन जिंदगी चलाया गया अद्भुत जीवटता का कार्य है। श्रमिकों को सुरंग से बाहर निकालने के लिए चलाये जा रहे अभियान पर भारत ही नहीं अपितु पूरे विश्व की दृष्टि थी। अंततः भारत के 140 करोड़ लोगों की प्रार्थना और विशेषज्ञों, कार्यकताओं और नेतृत्व के श्रम और अनथक प्रयासों का सकारात्मक प्रतिफल मिला और 17 दिन बाद सभी कर्मवीरों के घरों में खुशियों के दीप जलाये गये। सुरंग में फंसे 41 मजदूरों को बाहर निकालने की यह घटना एक बहुत ही महत्वपूर्ण है और अध्ययन किये जाने योग्य है।

इस घटना का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह रहा कि जहां विदेशी मशीनों ने भी साथ छोड़ दिया और परिस्थितियों को और अधिक चुनौतीपूर्ण बना दिया वहां स्वदेशी हथौड़ों से लेकर वायुसेना के मालवाहक विमान हरक्यूलिस का तक का उपयोग किया गया। इस बचाव अभियान में स्वदेशी रैट माइनर्स की टीम का योगदान अतुलनीय रहा जिसके छह सदस्यों ने मात्र 30 घंटे के भीतर ही बचाव अभियान में आ रही सबसे बड़ी बाधा को दूर कर दिया। आज संपूर्ण भारत अगर भारत माता की जय और जय श्रीराम के नारे लगा रहा है तो उसके पीछे रैट माइनर्स की टीम के छह सदस्य हैं।

इस अभियान पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार स्वयं अपडेट ले रहे थे और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी पूरी तरह तत्पर थे कि चाहे जैसे भी हो श्रमिकों को बचाना ही है। केंद्र और उत्तराखंड के विभिन्न विभाग एवं एजेंसियां इस अति जटिल महाअभियान में पूरे मनोयोग से जुटी रहीं। कुल 20 से अधिक एजेंसियों व 10,000 से अधिक राहत और सुरक्षाकर्मियों ने अपना योगदान दिया। एनडीए अभियान की निगरानी के साथ विशेषज्ञ बुलाने और आवश्यक सामग्री व उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए तत्काल निर्णय किए गये। इस महाअभियान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेतृत्व क्षमता और उनकी भूमिका एक बार फिर सराहनीय रही। उन्होंने अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ बचाव अभियान का सीधा प्रसारण देखा और तथा बचाव व राहत अभियान के सदस्यों और बाहर आए श्रमिकों के साथ संवाद किया और उनके अदम्य साहस की सराहना की। नरेंद्र मोदी श्रमिकों के हितों का बराबर ध्यान रखते हैं। जब भी किसी निर्माण कार्य का शिलान्यास, निरीक्षण या उद्घाटन करने जाते हैं तो श्रमिकों से संवाद करते हैं। नये संसद भवन और भारत मंडपम के उद्घाटन समारोह में उन्होंने श्रमिकों का सम्मान किया था। कोविड काल में जब कर्तव्य पथ और नये संसद भवन का निर्माण कार्य चल रहा था उस समय भी वह श्रमिकों से मिलने जाया करते थे और उनके साथ वार्ता कर उनका हौसला बढ़ाया करते थे। सुरंग में फंसे श्रमिकों को बचाने के कार्य ने प्रधानमंत्री मोदी के की नेतृत्व क्षमता को ही एक बार फिर स्थापित किया है। आज श्रमिक समाज कह रहा है कि मोदी है तो मुमकिन है।" इस घटना में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का नेतृत्व भी निखर कर सामने आया है। इस अभियान की सफलता के लिए देशभर में पूजा अर्चना की जा रही थी। आस्था की डोर ने विश्वास को डिगने नहीं दिया। सुरंग के पास स्थित बौखनाग देवता मंदिर में पूजा प्रारम्भ हो गई। जनप्रतिनिधि, अधिकारी बचाव टीम के सभी सदस्य, श्रमिकों के स्वजन व स्थानीय ग्रामीणों ने वहां विधिवत पूजा-अर्चना की। अंतरराष्ट्रीय टनल विशेषज्ञ अर्नाल्ड डिक्स ने भी यहां पूजा अर्चना की और बाबा बौखनाग का आशीर्वाद लिया। अभियान को सफल बनाने के लिए 18 नवंबर को निर्माण कंपनी नवयुग इंजीनियरिंग व एनएचआईडीसीएल ने सुरंग के गेट के दायीं ओर बौखनाग देवता का एक छोटा सा मंदिर स्थापित किया और फिर वहां पर नियमित रूप से पूजा अर्चना प्रारंभ की। स्थानीय लोगों का मानना था कि ठीक दीपावली के दिन दुर्घटना के पीछे बौखनाग देवता की नाराजगी भी हो सकती है इन लोगों का कहना था कि टनल परियोजना के आरम्भ होने से पहले निर्माण कंपनी प्रबंधन ने वहां से मंदिर को हटा दिया। कंपनी ने 2019 में टनल बनाना आरम्भ कर दिया था किंतु उसने मंदिर बनाने का वादा अभी तक नहीं निभाया था। ग्रामीणों की बौखनाग के प्रति अटूट आस्था को देखने के बाद ही पुजारी को बुलाकर पूजा करवाई गई प्रसाद बनवाया गया और संकल्प लिया गया कि ऑपरेशन सफल होते ही बौखनाग देवता का मंदिर बनवाया जायेगा। बौखनाग देवता के मंदिर में की गई पूजा अर्चना का सकारात्मक प्रतिफल सभी के सामने आ चुका है और ऑपरेशन जिंदगी सफलतापूर्वक संपन्न हो चुका है। अब सभी श्रमिक पूर्णतः स्वस्थ और कुशल हैं। सिलक्यारा परियोजना उत्तराखंड के लिए महत्वपूर्ण परियोजना है क्योंकि यह चारधाम परियोजना का हिस्सा है जिसका उद्देश्य गंगोत्री, यमुनोत्री ,केदारनाथ और बद्रीनाथ के बीच आवागमन को सरल बनाना है। वर्तमान समय में विकास को गति देने के लिए कई निर्माण कार्य चलाये जा रहे हैं जिसमें बड़ी व छोटी सुरंगों का निर्माण कार्य भी चल रहा है। सरकार ने दुर्घटना से सबक लेते हुए अब सभी जटिल परियोजनाओं व सुरंगों के निर्माण कार्य की गहन समीक्षा के साथ श्रमिकों की सुरक्षा की समीक्षा करने का निर्णय लिया है जोकि एक सराहनीय पहल है। इस घटनाक्रम से एक बार फिर यह बात सिद्ध हो रही है कि राह में चाहे जितनी भी बाधाएं आ रही हों कभी भी अपना साहस नहीं छोड़ना चाहिए। कर्तव्य पथ पर जीवटता के साथ चैरेवेति चैरेवति की भावना के साथ दृढ़तापूर्वक संकल्प को पूरा करने के लिए कार्य करते रहना चाहिए सफलता अवश्य मिलती है। घटना से एक बात यह भी सिद्ध हो रही है कि अब हमें स्वदेशी और आत्मनिर्भरता की भावना से ही विकास कार्यों को गति देनी है क्योंकि हम सभी ने देखा कि जब बचाव अभियान चल रहा था तब ऑगर मशीन कैसे नाकाम हो गई और हमारी आस्था और रैट माइनर्स ही काम आये। यह बात भी सिद्ध हो गई है कि ईश्वरीय शक्ति के साथ कभी खेल नहीं करना चाहिए और उनके अस्तित्व को चुनौती नहीं देनी चाहिए। इस पूरे घटनाक्रम के दौरान विपक्षी अपनी राजनीति भी करते रहे किंतु अब जब यह ऑपरेशन सफल हो चुका है तब विरोधियों के पास कहने को कुछ अधिक बचा नहीं है सिवाय, मोदी है तो मुमकिन है नारा सुनने के।

मेलोडी राजनीतिक रूप से इतनी चॉकलेटी क्यों है? मोदी-मेलोनी की इस दोस्ती के मायने क्या हैं?

नीरज कुमार दुबे

इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी जब इस साल भारत की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भारतीय प्रधानमंत्री की ग्लोबल अप्रूवल रेटिंग का जिक्र करते हुए उन्हें दुनिया में सबसे ज्यादा स्नेह और प्यार हासिल करने वाला नेता बताते हुए शर्मा गयीं थीं और प्रधानमंत्री मोदी भी मुस्कुरा दिये थे तब वह वीडियो वायरल हो गया था। इसके बाद से प्रधानमंत्री मोदी जब-जब भी इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी से मिले तब-तब दोनों की मुलाकात की तस्वीरें और वीडियो वायरल होने लगे और सोशल मीडिया पर मीम्स बनाने वालों ने मोदी और मेलोनी की दोस्ती को 'मेलोडी' नाम दे दिया और इन दोनों नेताओं की वैश्विक मंचों और द्विपक्षीय आधार पर होने वाली मुलाकातों की तस्वीरों का लोगों को इंतजार रहने लगा।

देखा जाये तो मोदी और मेलोनी जानते हैं कि सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें वायरल होती हैं इसलिए दोनों कोई मौका नहीं चूकते अपनी मुलाकातों की तस्वीरें पोस्ट करने का। प्रधानमंत्री मोदी जब इस सप्ताह दुबई में जलवायु परिवर्तन मुद्दे पर आयोजित वैश्विक सम्मेलन में भाग लेने गये तो वहां भी उनकी इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी से मुलाकात हुई। दोनों नेता इस मुलाकात के दौरान काफी हंसते खिलखिलाते नजर आये। बस फिर क्या था वीडियो और तस्वीरें तमाम तरह के कैप्शन के साथ वायरल होने लगे। यही नहीं, मोदी और मेलोनी दोनों ने अपने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी अपनी मुलाकात की तस्वीरें पोस्ट कीं जोकि देखते ही देखते वायरल हो गयीं। मोदी के साथ तस्वीर का मेलोनी को इतना फायदा हुआ कि सोशल मीडिया मंच एक्स पर दो मिलियन फॉलोअर रखने वालीं मेलोनी की मोदी के साथ फोटो को कुछ ही घंटों में 16 मिलियन लोगों ने देख लिया और उनके फॉलोअर्स की संख्या में भी तेजी से इजाफा हो गया।

अगर मोदी और मेलोनी के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर आ रही प्रतिक्रियाओं को देखेंगे तो पाएंगे कि लोग दोनों प्रधानमंत्रियों को लेकर मजेदार टिप्पणियां कर रहे हैं। जैसे एक यूजर ने लिखा है कि इतिहास अपने को दोहरा रहा है, एक बार फिर भारत से बारात इटली जायेगी। एक यूजर ने लिखा कि मोदी जी को अब समझ आया कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी क्यों इटली गये थे। एक यूजर ने लिखा कि मोदी और मेलोनी की तस्वीरें देखने के बाद भाजपा के प्रवक्ताओं ने सोनिया गांधी के इतालवी मूल के मुद्दे पर निशाना साधना बंद कर दिया है। एक यूजर ने लिखा कि मोदी ने पहले राहुल गांधी के पारिवारिक गढ़ अमेठी में अपनी पैठ बनाई और अब उनके ननिहाल में भी अपनी पैठ बना रहे हैं। एक यूजर ने लिखा कि मोदी और मेलोनी की दोस्ती पर कांग्रेस का कोई नेता टिप्पणी करने का साहस नहीं जुटा पा रहा है क्योंकि सोनिया गांधी भी इतालवी मूल की हैं। एक यूजर ने लिखा कि भारत और इटली के संबंध अपने सबसे सुनहरे दौर में हैं। एक यूजर ने प्रसिद्ध विज्ञापन की तर्ज पर लिखा कि मेलोडी आखिर राजनीतिक रूप से इतनी चॉकलेटी क्यों है। इसी तरह की तमाम टिप्पणियां आपको दोनों प्रधानमंत्रियों के सोशल मीडिया अकाउंटों पर देखने को मिल जायेंगी। लेकिन मजाक से हट कर जरा मोदी की कूटनीति को समझेंगे तो पाएंगे कि भारतीय प्रधानमंत्री के लिए देश हित ही सबकुछ है। समस्त भारतीयों को अपने परिवारजन कह कर संबोधित करने वाले प्रधानमंत्री मोदी दशकों पहले ही अपने परिवार को छोड़ भारत माता की सेवा करने निकल पड़े थे। जो लोग मोदी की मेलोनी के साथ तस्वीरों को देख कर आनंद ले रहे हैं वह दरअसल मोदी की कूटनीति को नहीं जानते। मोदी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद जिस तरह वैश्विक नेताओं के साथ अपने संबंध स्थापित किये हैं उसके चलते भारत को अनेकानेक लाभ हुए हैं और भारत के प्रति दुनिया का नजरिया भी बदला है। यह मोदी के करिश्माई नेतृत्व का ही कमाल है कि वह ग्लोबल अप्रूवल रेटिंग में दुनिया में सबसे आगे हैं। मोदी सिर्फ भारत और भारतीयों की ही चिंता नहीं करते बल्कि वह दुनिया के किसी भी कोने में आपदा के समय सबसे पहले मदद भेजने वाले नेताओं में शुमार हैं और महामारी के समय वैक्सीन मैत्री अभियान चला कर उन्होंने पूरी दुनिया का दिल जीता था। इस सबके चलते ही वह पूरी दुनिया में सबसे लोकप्रिय नेता बने हैं। जाहिर है जब कोई वैश्विक नेता उनसे मिलता है तो वह उनसे बहुत कुछ सीखना भी चाहता है और मित्रता भी करना चाहता है। मोदी भी किसी को निराश नहीं करते और सबके साथ घुल मिलकर बात करते हैं।

लोगों की स्मृतियों में मोदी की कई ऐसी तस्वीरें होंगी जब वह दुनिया के बड़े नेताओं के साथ गले मिलते हैं, हाथ मिलाते हैं, हाथ पकड़ कर बातें करते हैं या कंधे पर हाथ रखकर बात करते हैं। देखा जाये तो मोदी जब किसी राष्ट्राध्यक्ष से मिलते हैं तो उनकी पहली प्राथमिकता इस बात की रहती है कि कैसे अपने देश भारत के संबंध उस नेता के देश के साथ प्रगाढ़ किये जायें। जाहिर है इसके लिए व्यक्तिगत मित्रता बनाना बेहद जरूरी है क्योंकि सिर्फ राजनयिक या कूटनीतिक संबंध हर जगह काम नहीं आते। इसलिए मोदी सबसे मित्रता स्थापित करने पर जोर देते हैं तभी तो कभी अमेरिका के राष्ट्रपति सार्वजनिक रूप से मोदी से कहते हैं कि आप तो हमारे देश में मुझसे भी ज्यादा लोकप्रिय हैं, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री कह देते हैं कि मोदी बॉस हैं। यही नहीं, कोई राष्ट्राध्यक्ष मोदी के आगमन पर उनके पैर छू लेता है तो कोई उन्हें गले से लगाकर रखना चाहता है। विभिन्न देशों में मोदी को अपने देश के सर्वोच्च सम्मान से नवाजने की होड़ दिखाती है कि मोदी दुनियाभर में कितने लोक्रपिय हैं। इसके अलावा, मोदी की यह मित्रता वाली डिप्लोमेसी सिर्फ पुरुष नेताओं के साथ ही नहीं दिखती बल्कि महिला नेताओं के साथ भी मोदी बेहद सहज रहते हैं ताकि भारत को और दूसरे देशों में रह रहे भारतीयों को इसका लाभ हो। आप मोदी की फिनलैंड की प्रधानमंत्री साना मरीन के साथ मुलाकात देखिये। आप मोदी की स्वीडन की प्रधानमंत्री मैगडालेना एंडरसन के साथ मुलाकात देखिये, आप मोदी की तत्कालीन जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल के साथ मुलाकात देखिये, आप यूनान की राष्ट्रपति के साथ मोदी की मुलाकात देखिये, आप डेनमार्क की महारानी के साथ मोदी की मुलाकात देखिये, आप डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसेन के साथ मोदी की मुलाकात देखिये, आपको सब समझ आ जायेगा कि मोदी कैसे सभी से मित्रवत संबंध बना कर भारत और भारतीयों की राह आसान करते हैं। हम आपको याद दिला दें कि डेनमार्क की प्रधानमंत्री के साथ सैर करते हुए मोदी के वीडियो भी खूब वायरल हुए थे और तमाम टिप्पणियां की गयी थीं लेकिन चूंकि इटली और इलालवी मूल का मुद्दा भारत में दशकों से राजनीति से भी जुड़ा हुआ है इसलिए लोग इटली की प्रधानमंत्री के साथ मोदी की मुलाकातों पर जमकर टिप्पणियां कर रहे हैं। हम आपको यह भी बता दें कि मोदी जब किसी राष्ट्राध्यक्ष से मिलते हैं तो उनके परिजनों के साथ भी वह काफी सहज रहते हैं इसलिए आपने कई बार देखा होगा कि अमेरिका, फ्रांस तथा कई अन्य देशों के राष्ट्रपति की पत्नी भी प्रधानमंत्री मोदी के साथ जितना मुस्कुरा कर बात करती हैं उतना अन्य किसी राष्ट्राध्यक्ष के साथ वह सहज नहीं होतीं।

कॉप-28 महज खानापूर्ति बन कर नहीं रहे, जलवायु नियंत्रित करने के लिये सब कमर कसें

ललित गर्ग

धरती की पर्यावरण चिंताओं पर विचार और समस्याओं के समाधान के लिए दुबई (संयुक्त अरब अमीरात) में आयोजित हो रहा संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन-कॉप-28 बहुत महत्वपूर्ण महत्वपूर्ण है क्योंकि ग्लोबल वॉर्मिंग का असर हमारे जीवन पर साफ-साफ दिखने लगा है। 2021 में हुए पेरिस समझौते में दुनिया का तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस पर ही रोकने की बात की गई थी, इस साल 38 से भी अधिक दिन ऐसे रहे हैं जिनमें तापमान औसत से डेढ़ डिग्री ज्यादा रहा था। इस साल तापमान में वृद्धि, महासागर की गर्मी, अंटार्कटिका की बर्फ का घटना आदि ने ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों को चिन्ताजनक स्तर तक पहुंचा दिया है। जिससे समुद्र किनारे बसे अनेक नगरों एवं महानगरों के डूबने का खतरा मंडराने लगा है, बार-बार बाढ़, सूखा एवं भुस्खलन हो रहा है। इसलिए, विकसित देशों को अपना कार्बन उत्सर्जन कम करने और ग्रीन एनर्जी में निवेश करने की आवश्यकता है। पर्यावरण के बिगड़ते मिजाज एवं जलवायु परिवर्तन के घातक परिणामों ने जीवन को जटिल बना दिया है।

वैज्ञानिक और पर्यावरणविद चेतावनी दे रहे हैं कि आने वाले दशकों में वैश्विक तापमान और बढ़ेगा इसलिए अगर दुनिया अब भी नहीं सर्तक होगी तो इक्कीसवीं सदी को भयानक आपदाओं से कोई नहीं बचा पाएगा। रोम में सम्पन्न हुए जी-20 सम्मेलन में सभी देश धरती का तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस कम करने पर राजी हुए हैं। इसके अलावा उत्सर्जन को नियंत्रण करने के तथ्य निर्धारित किये गए हैं। जी-20 ने तो शताब्दी के मध्य तक कार्बन न्यूट्रेलिटी तक पहुंचने का वादा भी किया है। कहीं बाढ़, कहीं सूखा तो कहीं बेमौसम बरसात के चलते 2023 को दुनिया भर के मौसम वैज्ञानिक एक ऐसा वर्ष मान रहे हैं, जहां से पृथ्वी का पर्यावरण एक अज्ञात क्षेत्र यानी संकटकालीन परिवेश में प्रवेश कर रहा है। जाहिर है कि कॉप-28 में अब निर्णायक एवं कार्यकारी स्तर पहुंचना होगा, सिर्फ लुभावनी योजनाओं एवं भाषणों से काम नहीं चलने वाला, जैसा कि अभी इसमें शामिल 198 देश और उनके प्रतिनिधि कोरी खानापूर्ति करते आए हैं। कॉप की बैठकें भले ही अच्छे भविष्य की रूपरेखा बनाने के लिए आयोजित होती रही हों, लेकिन एक पेरिस समझौते को छोड़ दें तो अभी तक इसमें समस्या के समाधान के लिये बहुत काम नहीं हो पाया है। सभी प्रतिनिधि देशों को इस विकराल एवं ज्वलंत समस्या से निजात पाने के लिये न केवल कमर कसनी होगी, बल्कि आर्थिक सहयोग भी करना होगा।

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी कॉप-28 में भाग लिया। उन्होंने ग्लासगो में आयोजित हुए अंतरराष्ट्रीय जलवायु सम्मेलन (सीओपी 26) में बढ़ते पर्यावरण संकट में पिछड़े देशों की मदद की वकालत की थी ताकि गरीब आबादी सुरक्षित जीवन जी सके। मोदी ने अमीर देशों को स्पष्ट संदेश दिया कि धरती को बचाना उनकी प्राथमिकता होनी ही चाहिए, वे अपनी इस जिम्मेदारी से बच नहीं सकते। दरअसल कार्बन उत्सर्जन घटाने के मुद्दे पर अमीर देशों ने जैसा रुख अपनाया हुआ है, वह इस संकट को गहराने वाला है। जलवायु परिवर्तन के घातक प्रभावों ने भारत ही नहीं पूरी दुनिया की चिंताएं बढ़ा दी हैं। जलवायु संकट से निपटने के लिए अमीर एवं शक्तिशाली देशों की उदासीनता एवं लापरवाह रवैया को लेकर भारत की चिंता गैरवाजिब नहीं है। दुनिया को जलवायु परिवर्तन की चुनौती को गंभीरता से लेना होगा और इसके दुष्प्रभाव को कम करने के लिए कदम उठाने होंगे। अभी तक अपने स्वार्थ की वजह से दुनिया के कई देश इस दिशा में तेजी से कदम नहीं उठाते, खासतौर पर अमीर देश। दरअसल, नेट जीरो का लक्ष्य हासिल करने के लिए ग्रीन एनर्जी में भारी-भरकम निवेश करना होगा और प्रदूषण फैलाने वाले ईंधनों का इस्तेमाल घटाना होगा। लेकिन इससे कुछ समय के लिए आर्थिक ग्रोथ में कमी आ सकती है। इस वजह से भी एक हिचक कई देशों में दिखती है, जिसके कारण आने वाली पीढ़ियों एवं धरती पर पर्यावरण का भविष्य खराब हो सकता है। भारत में ग्लोबल तापमान के चलते होने वाला विस्थापन अनुमान से कहीं अधिक है। मौसम का मिजाज बदलने के साथ देश के अलग-अलग हिस्सों में प्राथमिक आपदाओं की तीव्रता आई हुई है। भारत में जलवायु परिवर्तन पर इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फार एनवायरमेंट एंड डवलपमेंट की जारी की गई रिपोर्ट में कहा गया है कि बाढ़-सूखे के चलते फसलों की तबाही और चक्रवातों के कारण मछली पालन में गिरावट आ रही है। देश के भीतर भू-स्खलन से अनेक लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। भू-स्खलन उत्तराखंड एवं हिमाचल जैसे दो राज्यों तक सीमित नहीं बल्कि केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, सिक्किम और पश्चिम बंगाल की पहाड़ियों में भी भारी वर्षा, बाढ़ और भूस्खलन के चलते लोगों की जानें गई हैं, इन प्राकृतिक आपदाओं के शिकार गरीब ही अधिक होते हैं, गरीब लोग प्राथमिक विपदाओं का दंश नहीं झेल पा रहे और अपनी जमीनों से उखड़ रहे हैं। गरीब लोग सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन कर चुके हैं। विस्थापन लगातार बढ़ रहा है। महानगर और घनी आबादी वाले शहर गंभीर प्रदूषण के शिकार हैं, जहां जीवन जटिल से जटिलतर होता जा रहा है।

भारत में नदियों के पानी के बंटवारे को लेकर कई राज्यों की सरकारें आपस में उलझी हैं। किसी और को अपना पानी किसी भी हाल में न देने या किसी और से हर सूरत में पानी छीन लाने के नाम पर चुनाव लड़े और जीते जा रहे हैं। लेकिन नदियों की हालत कैसे सुधरे, उनका पानी कैसे बढ़ाया जाए और उन्हें कचरे का ढेर बनने से कैसे रोका जाए, यह बात राजनीति तो क्या नागरिक समाज के एजेंडे से भी बाहर है। एक आधुनिक कहावत है कि अपने ग्रह के साथ हम ऐसे खिलवाड़ कर रहे हैं, जैसे इसके विकल्प के रूप में कोई और ग्रह हमने बक्से में बंद कर रखा हो- यह बिगड़ जाएगा तो क्या हुआ, उससे खेल लेंगे! अमेरिका की नैशनल इंटेलिजेंस इस्टीमेट रिपोर्ट में भारत को पाकिस्तान और अफगानिस्तान सहित उन 11 देशों में शामिल किया गया है, जो जलवायु परिवर्तन के लिहाज से चिंताजनक श्रेणी में माने गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, ये ऐसे देश हैं, जो जलवायु परिवर्तन के कारण सामने आने वाली पर्यावरणीय और सामाजिक चुनौतियों से निपटने की क्षमता के लिहाज से खासे कमजोर हैं। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि आने वाले समय में विश्व तापमान की दशा तय करने में चीन और भारत की अहम भूमिका रहने वाली है। आखिर चीन दुनिया का सबसे बड़ा कार्बन उत्सर्जक देश है। भारत भले चौथे नंबर पर है, लेकिन चीन के साथ जुड़ इसलिए जाता है क्योंकि इन दोनों ही देशों में उत्सर्जन की मात्रा साल-दर-साल बढ़ रही है। यह सर्वविदित है कि इंसान व प्रकृति के बीच गहरा संबंध है। इंसान के लोभ, सुविधावाद एवं तथाकथित विकास की अवधारणा ने पर्यावरण का भारी नुकसान पहुंचाया है, जलवायु संकट एवं बढ़ते तापमान के कारण न केवल नदियां, वन, रेगिस्तान, जलस्रोत सिकुड़ रहे हैं बल्कि ग्लेशियर भी पिघल रहे हैं, जो विनाश का संकेत तो है ही, जिनसे मानव जीवन भी असुरक्षित होता जा रहा है।

सीएमओ मिजार्पुर ने पीएचसी पड़री में तैनात दो फार्मासिस्टों को किया निलम्बित

प्रखर मिजार्पुर। प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आम जनता को मिलता रहे और अधिकारी व कर्मचारी निष्ठापूर्वक अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते रहें, यह सुनिश्चित करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री एवं जनपद मिजार्पुर के प्रभारी मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने पिछले दिनों जनपद मिजार्पुर में दो दिन प्रवास किया था।

इस दौरान कई स्थानों पर निरीक्षण एवं भ्रमण के दौरान कमियां मिलने पर अधिकारियों को जांच व कार्रवाई का आदेश दिया था। जिस पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पड़री में प्रभारी मंत्री नन्दी द्वारा पाई गई कमियां सही मिलने पर सीएमओ मिजार्पुर ने शनिवार को वहां तैनात दो फार्मासिस्टों को निलम्बित कर दिया। दिनांक 21 नवंबर को अपने प्रभारी जनपद मिजार्पुर में प्रवास के दौरान मंत्री नन्दी ने धान क्रय केंद्र, राजकीय चिकित्सालय, आंगनबाड़ी केंद्र, राजकीय चिकित्सालय, प्राथमिक विद्यालय के साथ ही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पड़री का औचक निरीक्षण किया था। जहां मंत्री नन्दी ने दवाओं के साथ ही स्टॉक रजिस्टर को चेक किया था। इस दौरान मंत्री नन्दी ने रजिस्टर मेंटेनेंस के साथ ही दवाओं के रख-रखाव में कमी मिलने और कुछ एक्सपायरी दवाएं मिलने पर जिलाधिकारी व मुख्य चिकित्साधिकारी को सम्बंधित फार्मासिस्टों के खिलाफ जांच व कार्रवाई के निर्देश दिए थे। मंत्री नन्दी के आदेश पर सीएमओ मिजार्पुर ने टीम बनाकर जांच कराई तो जांच में कई खामियां सामने आई। सीएमओ द्वारा गठित टीम की जांच में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पड़री में मेट्रोनिडाजोल सीरप की 200 शीशी कम मिली, जिसका हिसाब मेंटेन नहीं था। यही नहीं औषधि वितरण रजिस्टर नहीं मिला, जिसे सम्बंधित फार्मासिस्टों द्वारा बनाया ही नहीं गया था। जांच में स्टॉक बुक एवं अन्य अभिलेखों का रख-रखाव सही प्रकार से नहीं मिला।

एन्टी स्नैक वेनम व सिफलिक्स किट एक्सपायरी मिला था। साथ ही जांच में दवाओं की जानकारी एवं तथ्यों को छिपाने का प्रयास किया गया। जांच समिति द्वारा जांच में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पड़री में तैनात फार्मासिस्ट राकेश कुमार शर्मा एवं फार्मासिस्ट प्रमोद कुमार द्वारा बरती गई लापरवाही की पुष्टि होने पर निलम्बन की संस्तुति की गई। जिसके आधार पर मुख्य चिकित्साधिकारी मिजार्पुर सीएल वर्मा ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पड़री में तैनात फार्मासिस्ट राकेश कुमार शर्मा व प्रमोद कुमार को तत्काल प्रभाव से निलम्बित करते हुए आदेश जारी किया। मंत्री नन्दी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के कर्मयोगी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर मंत्रीगणों का जनता के बीच जाना, जनचौपाल आदि का मुख्य उद्देश्य विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित और अछूते रह गए लोगों को विकास की धारा में शामिल करना है। अधिकारी व कर्मचारी अपनी जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते रहें, यह भी सुनिश्चित करना है। ताकि आम जनता को सरकारी सुविधाओं का लाभ मिलता रहे, लेकिन जिम्मेदारियों के निर्वहन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। लापरवाही बरतने और कमी मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

कृतज्ञ फाउंडेशन द्वारा खेल महोत्सव एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं का किया गया आयोजन

प्रखर मिर्जापुर। चुनार क्षेत्र के पुरुषोत्तमपुर में माधव विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के खेल प्रांगण में कृतज्ञ फाउंडेशन द्वारा खेल महोत्सव एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। वही आयोजक मंडल ने बताया कि मेहंदी प्रतियोगिता रंगोली प्रतियोगिता पोस्टर प्रतियोगिता के साथ-साथ 100 मीटर 200 मीटर 400 मी की दौड़ प्रतियोगिता ऊंची कूद लंबी कूद एवं मिनी मैराथन की प्रतियोगिता विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी की गई है प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को कृतज्ञ फाउंडेशन द्वारा पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह के द्वारा सम्मानित किया जाएगा स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को नगद पुरस्कार भी रखे गए हैं इस आयोजन में जितने भी प्रतिभागी प्रतिभा किए हैं उनका पंजीकरण निशुल्क है। क्षेत्र के संभ्रांत नागरिकों एवं संस्था से जुड़े हुए पदाधिकारी सदस्यों के द्वारा यह प्रतियोगिता आयोजित की गई है। उक्त अवसर पर संरक्षक प्रवीण सिंह ,अध्यक्ष पंकज सिंह सचिव शंकर सिंह शाक्या, कोषाध्यक्ष, अमन सिंह पटेल, व्यवस्थापक अतुल कुमार सिंह, सलाहकार अखिलेश सिंह, श्री भगवत सिंह पूर्व प्रधानाचार्य राष्ट्रीय इंटर कॉलेज शेरपुर, डॉ छोटेलाल सिंह प्रधानाचार्य माधव विद्या मंदिर इंटर कॉलेज पुरुषोत्तमपुर,प्रेम शंकर पांडे प्रबंधक शिवम पब्लिक स्कूल पुरुषोत्तमपुर, रामदुलार सिंह प्रधानाचार्य चंद्रशेखर आजाद इंटर कॉलेज रूपौंधा, सुभाष सिंह शारीरिक शिक्षा प्रवक्ता माधव विद्या मंदिर इंटर कॉलेज पुरुषोत्तमपुर, स्नेहलाल द्विवेदी वेदमित्र अखिलेश सिंह नम्रता सिंह रेखा देवी , सहित तमाम गणमान्य नागरिक व स्वास्थ्य विभाग की वर्षा राजपूत रुचि राजपूत एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। उक्त प्रतियोगिता में मिर्जापुर जनपद के साथ-साथ विभिन्न जनपदों से प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

संक्षिप्त खबरें

तीन राज्यों में बीजेपी की जीत पर खलीलाबाद शहर में बीजेपी के खेमे में जश्न का माहौल, ढोल नगाड़े के साथ जम कर बाटी गई मिठाईयां

प्रखर संतकबीरनगर। रविवार का दिन भारतीय जनता पार्टी के लिए खुशी और जश्न का दिन साबित हुआ। जैसे-जैसे चुनाव के परिणाम आने लगे वैसे-वैसे संत कबीर नगर जिले के खलीलाबाद शहर में भारतीय जनता पार्टी के खेमे में खुशी की लहर दौड़ हो गई। आखिरकार शाम होते-होते यह खुशी का माहौल जश्न में बदल गया क्योंकि मामला था, तीन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने का तो फिर संत कबीरनगर जिला का खलीलाबाद शहर इससे क्यों अछूता रहता। तीन राज्यों के परिणाम घोषित होते ही जमकर आतिशबाजी की गई पटाखे फोड़े गए। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता तथा समर्थक एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया तथा ढोल नगाड़ों पर जमकर थिरके। भारतीय जनता पार्टी के नगर अध्यक्ष सतविंदर पाल सिंह जज्जी के नेतृत्व में आज तीन प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी को पूर्ण बहुमत मिलने पर पटाखा फोड़कर और मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। कार्यकताओं ने नरेंद्र मोदी जिंदाबाद के नारे लगाए और आपस में गले मिलकर एक दूसरे को बधाई दी।

टोल प्लाजा हटाने को लेकर भारतीय किसान यूनियन का धरना जारी

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। भारतीय किसान यूनियन के द्वारा वनस्थली महाविद्यालय अहरौरा के पास लगे अवैध अस्थाई टोल प्लाजा हटाने, और घरवाह विद्युत केंद्र पर 10MBA का ट्रांसफार्मर लगाने और नल जल योजना के तहत लिए गए बांधों से पानी को अन्य स्त्रोतों से भरने समेत 7 सूत्री मांगों को लेकर किसान बैठे हुए हैं दिनांक 03/12/2023 दिन रविवार को भी अनवरत धरना चल रहा हैं धरने की अध्यक्षता दो पंचम सिंह जिला संगठन प्रभारी ने की जिसमें निम्न लोगों उपस्थित रहे, प्रदेश उपाध्यक्ष सिद्धनाथ सिंह, प्रदेश महासचिव प्रहलाद सिंह, मंडल अध्यक्ष अनिल सिंह, जिला अध्यक्ष कंचन सिंह फौजी, वीरेंद्र सिंह जिला महासचिव, स्वामी दयाल सिंह कोषाध्यक्ष, रमेश सिंह जी, अवधेश सिंह, जगदंबा सिंह, हौसला सिंह, चौधरी जयपाल सिंह, विनोद कुमार सिंह, सत्यनारायण, राजू पटेल, रामराज, नंदलाल भारती, दीप नारायण सिंह, दिनेश, जैसलाल, चूल्हन बिंद, अब्दुल रहमान, दीप नारायण सिंह, सदानंद, राजेंद्र , सुजीत चौहान, व अन्य लोग उपस्थित रहें।

मोफलर के फंदे से लटकता मिला युवक का शव, दिमागी रूप से था परेशान

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। बिरनो थाना क्षेत्र अंतर्गत मीरपुर गांव में एक नवयुवक का शव पेड़ के सहारे फंदे से झूलते हुए मिला। मिली जानकारी के अनुसार गुड्डू यादव उम्र 21 वर्ष पुत्र जोखन यादव गांव मीरपुर थाना बिरनो बीती रात खाना खाकर सो गया। सुबह भोर में गांव से कुछ दुरी पर स्थित डेरा के पास पेड़ से मोफलर के सहारे फंदे से झूलता मिला नवयुवक का शव गांव के कुछ लोग शौच करने जा रहे थे। तभी देखा कि एक युवक पेड़ लटका हुआ है। ग्रामीणों के शोर मचाने पर आसपास के ग्रामीण इकट्ठा हो गए। वहीं परिवार के लोगों को ग्रामीणों ने बताया ।परिवार के लोगों ने बिरनो थानाध्यक्ष देवेंद्र यादव को मामले से अवगत कराया । वही मृतक अपने परिवार का एकलौता बेटा था । मृतक की दो बहने हैं एक बहन विवाहित है एक बहन अविवाहित। परिवार के लोगों का रो-रो कर बुरा हाल। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पंचनामा कर कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया । वहीं बिरनो थानाध्यक्ष देवेंद्र यादव ने बताया कि मृतक के पिता जोखन यादव ने तहरीर दी है। उन्होंने बताया कि मेरा पुत्र काफी दिनों से दिमागी रूप से परेशान था।

मोदी का मैजिक बरकरार तीन राज्यो में बन रही हैं भाजपा की सरकार : प्रमोद वर्मा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। चार राज्यों के चुनाव में भाजपा ने जिस प्रकार से तीन राज्यों में सरकार बनाने जा रही है और तेलंगाना में मजबूती के साथ उभरी है उस खुशी में भाजपा जखनिया के कार्यकताओं ने भाजपा की बड़ी जीत पर आतिशबाजी की और एक दूसरे को मिठाई खिलाकर, गले लगा कर बधाई दी। उक्त अवसर पर भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष प्रमोद वर्मा ने कहा कि हमारे यशस्वी नेता नरेंद्र मोदी का मैजिक पूरे देश में बरकरार है। मोदी की गारंटी पर सबको विश्वास है। कांग्रेस ने जिस प्रकार से उनका अपमान किया था चारों प्रदेश की जनता ने इसका करारा जवाब कांग्रेस के शिर्ष नेतृत्व वह गाँधी परिवार को दिया है। वर्मा ने कहा देश की जनता अब सनातन का अपमान नहीं सहेगी। उनको भारतीय जनता पार्टी के वादों और इरादों पर पूरा विश्वास है। नरेंद्र मोदी ने जिस प्रकार से देश की तकदीर और तस्वीर बदली है जो भी उन्होंने वादा किया है उसको पूरा किया है और देश को मजबूत स्थिति में लाकर खड़ा कर दिया है, उसका ही परिणाम है कि आज जनता जनार्दन ने मोदी के नेतृत्व में भाजपा पर विश्वास जताते हुए मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने जितना बहुमत दिया है और तेलंगाना में भाजपा के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ा है। वर्मा ने कहा यह सब प्रभु श्री राम की कृपा है। भाजपा जाति-पाती से उठकर सबका विकास करती है, मातृत्व शक्ति का सम्मान करती है। सबकी स्थिति कैसे मजबूत हो उसका पूरा ध्यान दे रही है और लोगों को जीवन में बदलाव देश का विकास हो वह सारी योजनाएं जनता के प्रति समर्पित है।

मेरठ के वरिष्ठ चिकित्सक डा.मो. मुनज्जम का हुआ जोरदार स्वागत

प्रखर शाहगंज जौनपुर। नगर शाहगंज से विशेष लगाव रखने वाले मेरठ के मशहूर वरिष्ठ नाक कान गला रोग विशेषज्ञ का शनिवार की देर शाम शाहगंज जंक्शन पहुंचने पर चिकित्सकों ने जोरदार स्वागत किया। स्वागत से अभिभूत श्री मुनज्जम ने कहा की शाहगंज एक ऐसा शहर है जिसमे ऐसी कशिश है जो मुझे खींच ही लाती है। मेरी पूरी कोशिश रहेगी की मैं अपनी सेवाएं नगर की जनता को दे सकूं। जिसे मैं अपना सौभाग्य समझूंगा।वहीं स्वागत करने वालों में बाल रोग विशेषज्ञ डॉक्टर नैय्यरे आजम ने डाक्टर मुनज्जम को आजमगढ़ रोड स्थित अपने अस्पताल ले गए जहां उन्होंने दर्जनों मरीजों का निःशुल्क स्वास्थ परीक्षण किया। उक्त मौके पर डाक्टर अब्दुल्लाह, गुलाम साबिर, आदिल शेख, गुड्डू शालीमार, शुजा आजम, नदीम जफर,ओबैदुल्लाह अंसार सहित दर्जनों गणमान्य प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

पुरानी पेंशन बहाल नहीं हुई तो होगा सत्ता परिवर्तन- राम लाल यादव

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुरानी पेंशन को लेकर उ0प्र0 राज्य कर्मचारी महासंघ द्वारा प्रान्तीय अध्यक्ष राम लाल यादव के नेतृत्व मे समय 12 बजे महायज्ञ सरजू पाण्डेय पार्क मे किया गया। सरकार की शुद्धि बुद्धी महायज्ञ कर विरोध जताते हुए राम लाल यादव ने कहा मौजूदा सरकार कर्मचारी हित कार्य नही कर रही है। पुरानी पेंशन न कि कर्मचारी का अधिकार होता हे बल्कि रिटायर होने के बाद उनके बुढ़ापे का एक सहारा भी होता है। कर्मचारी अधना पूरा जीवन सरकार की और जनता की सेवा मे ब्यतीत करने के बाद उसे पेंशन से वर्जित किया जाता है। जन प्रतिनिधि सासंद बिधायक के पाच साल बाद कार्य करने के बाद उनको पेंशन देने का प्राविधान आज भी चल रहा है। सरकार का ये दोहरी निति ये कर्मचारी के विपरीत है।

प्रथम राष्ट्रपति डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद जी की 139वीं जयन्ती पर स्थानीय लोंहदी रोड स्थित माधव कुंज पर राष्ट्रीय चित्रांश दिवस के रूप में मनाई गयी

प्रखर मीरजापुर। सामाजिक संस्था के0एस0पी0 ट्रस्ट द्वारा देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद जी की 139वीं जयन्ती पर स्थानीय लोंहदी रोड स्थित माधव कुंज पर राष्ट्रीय चित्रांश दिवस के रूप में मनाई गयी। इस राष्ट्रीय चित्रांश दिवस के अवसर पर आयोजित गोष्ठी का शुभारम्भ सेल्स टैक्स के एडिश्नल कमिश्नर (से.नि.) श्री संजय श्रीवास्तव द्वारा पूर्व राष्ट्रपति डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया, जिसकी अध्यक्षता ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ0 शक्ति श्रीवास्तव तथा संचालन संस्थापक न्यासी रजत श्रीवास्तव द्वारा किया गया। गोष्ठी को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुए एडिश्नल कमिश्नर श्री संजय श्रीवास्तव ने कहा कि बहुमुखी प्रतिमा के धनी डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद जी आधुनिक भारत के निमार्ताओं मे प्रमुख थे, जो एक मेधावी छात्र, सफल वकील, निस्वार्थ समाजसेवी, कर्मठ देशभक्त, योग्य प्रशासक व प्रबुद्ध लेखक सभी कुछ थे, उनका जीवन राष्ट्र भक्ति, समाजसेवा और बलिदान का पर्याय रहा है। गोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ0 शक्ति श्रीवास्तव ने कहा कि राजेन्द्र बाबू की निष्कपट जनसेवा की परिकल्पना ने भारतीय राजनीति को उदात्त व मानवीय मूल्यों से अभिभूत किया साथ ही मानवसेवा, सहानुभूति, त्याग व मानवता के नये मूल्यों की राजनैतिक संदर्भों में स्थापना भी की। इस अवसर पर संचालन कर रहे संस्थापक न्यासी रजत श्रीवास्तव ने राजेन्द्र प्रसाद जी के त्याग एवं सादगी पूर्ण जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जब राजेन्द्र बाबू ने वकालत छोड़ी, तब उस समय बैंक में जमा अपनी सम्पूर्ण धनराशि गरीब विद्यार्थियों की शिक्षा हेतु दे दी थी, इस प्रकार वे केवल शब्दों के ही धनी नही थे।

रामचरित्र मानस हमें जीवन जीने की कला सिखाती है : पद्मेश जी महाराज

प्रखर पटहेरवा, कुशीनगर। सत्संग प्यास नहीं बुझाता है। सत्संग तो परमात्मा के लिए प्यास पैदा करता है। जब मन वचन एक हो जाते हैं, तब जीवन में सुचिता आ जाती है। देव दर्शन, गुरू दर्शन और मन दर्शन से काया शुद्ध हो जाती है। रामचरित्र मानस हमें जीवन जीने की कला सिखाती है, जिसने रामचरित्र मानस का आश्रय कर लिया, उसके जीवन का उद्धार हो जाता है। रामचरित्र मानस जीवन को सुखमय बनाने का मार्ग प्रशस्त करती है। ये बाते रजवटिया में आयोजित श्री विष्णु महायज्ञ के दौरान अमृतमयी श्री राम कथा का रसपान कराते हुए सुप्रसिद्ध कथावाचक पद्मेश जी महाराज ने कही। रामायण हमें रिश्तों की मयार्दा के पालन का पाठ पढ़ाती है। जिस भी घर में भाइयों की आपस में नहीं पटती हो उन्हें रामचरित मानस की 11 चौपाइयों का पाठ करना चाहिए। इससे भाई-भाई के बीच मधुरता बढ़ेगी।

कथावाचक ने कहा कि जिसके जीवन में राम है उसके जीवन में आनंद है और जिसके जीवन से राम चले जाएं उसका जीवन खाली हो जाता है। भगवान और महापुरुषों को जाति के आधार पर नहीं देखना चाहिए। महापुरुष राष्ट्र और समाज के धरोहर हैं। उनकी जाति का अपने स्वार्थ की राजनीति व लाभ उठाना पाप के समान है। महापुरुष देश और समाज के हैं, उनका जीवन सभी के लिए कल्याणकारी है। भव सागर से पार उतरने के लिए श्रीराम कथा सुन्दर नौका है, जीव राम कथा रूपी नौका पर भाव के साथ बैठ जाये तो सहज मे भव से पार उतर सकता है। सनातन जीवन को जीने की पद्धती है। सनातन वह वट वृक्ष है, जिसकी छाया में धर्म का विराट स्वरूप देखने को मिलता हैं। मंदिर में हमेशा भगवान से मांगने जाते हो। कभी मिलने भी जाया करों। भगवान राम का भावपूर्वक स्मरण करने से जीव के दुख दूर हो जाते हैं। कथावाचक ने श्रद्धालुओं को विश्वामित्र दशरथ जी संवाद, और जनकपुर पुष्प वाटिका के भ्रमण की कथा को श्रवण कराया, जिसे सुनकर लोग मंत्रमुग्ध हो गए। उन्होंने कहा कि दशरथ ज्ञान तथा सीता भक्ति है, जहां भक्ति होती है वहीं भगवान निवास करते हैं।

सादात पुलिस ने किया चोरी के सामान के साथ 3 अभियुक्तो को गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर के कुशल निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी सैदपुर के निकट पर्यवेक्षण में रविवार को थाना सादात की टीम द्वारा दिनांक 19 नवंबर 2023 को बैरख ग्राम पंचायत भवन में हुई चोरी की घटना में पंजीकृत धारा 457/380/411 भादवि का सफल अनावरण करते हुए संलिप्त 03 अभियुक्त राजेश राय पुत्र स्व0 शिवनाथ राय, आशुतोष राय उर्फ राहुल राय पुत्र कुसमाकर राय, अमित राय पुत्र राजेश राय समस्त निवासी गण ग्राम डोरा थाना सादात जनपद गाजीपुर को टाड़ा पुलिया ग्राम टाड़ा से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की गई। जिसमें अभियुक्तगण के पास से 01 अदद मानीटर, 01 अदद माउस , 01 अदद की-बोर्ड, 01 अदद बैट्री, 01 अदद इन्वर्टर बरामद हुआ। जिसमे नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

कलेक्ट्रेट से विकास भवन तक आयोजित मतदाता जागरूकता साइकिल रैली को मुख्य विकास अधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

प्रखर मिजार्पुर। कलेक्ट्रेट से विकास भवन तक आयोजित मतदाता जागरूकता साइकिल रैली को मुख्य विकास अधिकारी श्रीलक्ष्मी वीएस ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में उपस्थित एनसीसी, के0बी0 कालेज, बिनानी कालेज, बसंत इंटर कालेज के छात्र-छात्राए एवं पंचायती राज विभाग के अधिकारियों/ कर्मचारियों को संबोधित करते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत समस्त मतदाता जिनकी आयु 18 वर्ष पूर्ण हो चुकी हैं वे सब अपने मताधिकार का प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि इसके लिए आवश्यक है कि सर्वप्रथम मतदाता सूची में हमारा नाम जुड़े। मुख्य विकास अधिकारी ने रैली के माध्यम से अपील करते हुए कहा कि यदि आपका या दोस्तों पास पड़ोस के लोगों का नाम मतदाता सूची में जुड़ा नहीं है तो अपने संबंधित बीएलओ से संपर्क कर अपना नाम अवश्य मतदाता सूची में जुड़वाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सभी बीएलओ आज भी बूथ पर बैठे हैं मतदाता पुनरीक्षण अभियान चल रहा है सभी मतदाता जो अपनी 18 वर्ष आयु पूर्ण कर चुके हैं नाम जुड़वाएं जिससे कि आपके वोट से मजबूत लोकतंत्र का निर्माण हो सके। इस अवसर प्रधानाचार्य के0बी0 कालेज, जिला क्वार्डिनेटर स्वच्छत भारत मिशन विनोद श्रीवास्तव सहित एनसीसी, के0बी0 कालेज, बिनानी कालेज, बसंत इंटर कालेज के छात्र-छात्राए उपस्थित रहे।

कायस्थ महासभा ने मनाई डा. राजेन्द्र प्रसाद व शहीद खुदी राम बोस की जयंती

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। रविवार को अखिल भारतीय कायस्थ महासभा गाजीपुर के तत्वाधान में महासभा के जिलाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में देश की प्रथम राष्ट्रपति, महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, संविधान सभा के अध्यक्ष रहे डॉक्टर राजेंद्र बाबू एवं अमर बलिदानी शहीद खुदीराम बोस की जयंती पर पीर नगर स्थित डॉ राजेन्द्र प्रसाद जी की प्रतिमा स्थल पर माल्यार्पण कार्यक्रम आयोजित हुआ । इस अवसर पर महासभा के सभी कार्यकताओं ने डॉ राजेन्द्र प्रसाद जी की प्रतिमा और शहीद खुदीराम बोस के चित्र पर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया और एक सच्चे देशभक्त की तरह देश की एकता और अखंडता की रक्षा करने के साथ साथ देश की संविधान और लोकतंत्र की रक्षा करने का संकल्प लिया। माल्यार्पण कार्यक्रम के पश्चात लंका स्टेशन रोड स्थित ईं.अजीत वर्मा जी के आवास पर विचार गोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।डा. राजेंद्र बाबू की जयंती अधिवक्ता दिवस के रूप में मनाते हुए महासभा ने हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी अधिवक्ताओं को सम्मानित करने के क्रम में जनपद के वरिष्ठ अधिवक्ता रहे एवं सिविल बार एवं कलेक्ट्रेट बार संघ के पूर्व अध्यक्ष रहे स्व0 सवानंद वर्मा जी को मरणोपरांत राजेंद्र बाबू स्मृति सम्मान से सम्मानित किया। महासभा के जिलाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव एवं महामंत्री अरूण सहाय ने यह सम्मान पत्र उनके पुत्र ई.अजीत वर्मा के हाथों में सौंपा। जिलाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव ने इस अवसर पर कहा कि सवानंद बाबू को सम्मानित कर हम सब अपने को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। पुरखों का सम्मान करना हम सबका धर्म है और यह हमारी परम्परा और संस्कृति रही है। इनके सम्मान के लिए महासभा हर कीमत अदा करेगी। महासभा के संरक्षक अशोक कुमार श्रीवास्तव ने गोष्ठी में डॉ राजेन्द्र बाबू के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तृत रूप से प्रकाश डालते हुए कहा कि डॉ राजेंद्र बाबू इस देश के महान नेता थे । वह शुचिता और विद्वता तथा सरलता और सादगी के प्रतीक थे। वह अत्यंत मेधावी थे। वह महान कानूनविद होने के साथ-साथ सरलता और सादगी के प्रतीक थे। वह महात्मा गांधी के अत्यंत प्रिय थे। उन्हें बिहार का गांधी भी कहा गया। वह इतने नैतिक और ईमानदार थे की उनके राष्ट्रपति पद का कार्यकाल खत्म होने के बाद उनके पास रहने के लिए अपना कोई निजी आवास नहीं था ,उन्होंने बिहार कांग्रेस कमेटी के कार्यालय सदाकत आश्रम को अपनी रहने का ठिकाना बनाया । वह हम सबके लिए प्रेरणा स्रोत हैं ,उनका जीवन हम सबके लिए अनुकरणीय है ?। उन्होंने शहीद खुदीराम बोस को नमन करते हुए कहा कि वह देश की आजादी के लिए फांसी पर चढ़ने वाले सबसे कम उम्र के क्रान्तिकारी देशभक्त थे। वह पहले क्रांतिकारी थे जिन्हें फांसी की सजा सुनाई गई। इस अवसर पर मुख्य रूप से महासभा के जिला अध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव के साथ साथ सभासद परवेज अहमद, अशोक कुमार श्रीवास्तव , चन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव, शैल श्रीवास्तव, अरुण सहाय, अमरनाथ श्रीवास्तव, परमानन्द श्रीवास्तव, अजय कुमार श्रीवास्तव, अरूण कुमार श्रीवास्तव चुन्नू, विभोर श्रीवास्तव, राजेंद्र अस्थाना, केशव श्रीवास्तव, संजय सेवराई, अनुराग श्रीवास्तव, आदि उपस्थित रहे। इस संगोष्ठी की अध्यक्षता महासभा के जिलाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव एवं संचालन महासभा के जिला महामंत्री अरूण सहाय ने किया।

युद्धविराम खत्म होने के बाद हमास-इजरायल के बीच फिर शुरू हुई भीषण जंग

24 घंटे में 400 आतंकी ठिकाने तबाह, 178 की मौत

गाजा में बंकर बस्टर बम गिरा रही है इजरायली सेना

● नई दिल्ली

युद्धविराम खत्म होने के बाद हमास और इजरायल के बीच शुरू हुई जंग भीषण रूप ले चुकी है। शुक्रवार को इजरायल ने महज 24 घंटे के अंदर हमास के 400 से ज्यादा आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया है। इस दौरान कम से कम 178 लोगों की मौत हो गई है। हमास ने भी इजराइल पर फिर से रॉकेट दागना शुरू कर दिया है। युद्धविराम खत्म होने पर हमास-अमेरिका एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं।

इजरायल ने एक वीडियो जारी कर दावा किया कि उसने शुक्रवार को हमास के 400 से ज्यादा ठिकानों को निशाना बनाया है। गाजा में मौजूद फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि शुक्रवार सुबह से शुरू हुई इजरायली बमबारी की वजह से 178 फिलिस्तीनियों की मौत हुई है। इस बमबारी में 589 लोग घायल भी हुए हैं। इजरायल ने अमेरिकी बंकर बस्टर बम का भी इस्तेमाल शुरू कर दिया है। इस बम का वजन 907 किलो है। इन बमों का इस्तेमाल अमेरिका ने अफगानिस्तान, इराक और सीरिया में भी किया था।

हमास के ऑपरेशनल कमांड सेंटर पर इजरायल का हमला

इजरायल डिफेंस फोर्सेस का दावा है कि हमास ने रॉकेट अटैक करके युद्धविराम का उल्लंघन किया है, जिसका मुंहतोड़ जवाब दिया जा रहा है। इसी कड़ी में गाजा में 400 से अधिक आतंकवादी ठिकानों पर हमला किया गया, जबकि खान यूनिस के इलाके में 50 से ज्यादा ठिकाने ध्वस्त किए गए। आईडीएफ के लड़ाकू विमानों ने एक मस्जिद के अंदर इस्लामिक जिहाद के ऑपरेशनल कमांड सेंटर पर हमला करके तबाह कर दिया है। इजरायली नौसेना के सैनिकों ने भी हमास के सैन्य ठिकानों पर हमला किया है।

बेहद ताकतवर और असरदार होते हैं बंकर बस्टर बम

बंकर बस्टर बम बेहद ताकतवर और असरदार होते हैं। ये जमीन के अंदर तेजी से जाते हैं। अंदर पहुंचने के बाद विस्फोट होता है। ये कॉन्क्रीट से बनी नींव, बंकर या सुरंगों को उड़ाने की क्षमता रखते हैं। इस तरह के बमों का इस्तेमाल लंबे वक्त से होता आ रहा है। सबसे ज्यादा इस्तेमाल वियतनाम युद्ध के समय हुआ था। इन बमों की नोज खास तरह से बनाई जाती है, ताकि ये अपने वजन और ग्रैविटी का फायदा लेकर तेज रफ्तार से जमीन के अंदर चले जाएं। इसके बाद टारगेट की तरफ छेद करते हुए भयानक विस्फोट करें।

अब एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहरा रहे अमेरिका और हमास

अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के जॉन किर्बी ने कहा है, हम गाजा में युद्धविराम बहाल करने के प्रयासों पर इजराइल, मिस्र और कतर के साथ काम करना जारी रखेंगे। हमास की वजह से ही युद्धविराम समाप्त हुआ है। वो बंधकों की सूची तैयार करने और उसे इजरायल को सौंपने में असमर्थ रहे, जो युद्धविराम को आगे बढ़ाने में मदद करता। इसलिए हमास पर यह जिम्मेदारी है कि वह उन बंधकों की सूची तैयार करे और उन्हें रिहा करे, ताकि हम इस युद्धविराम को वापस लाने का प्रयास कर सकें। हमास को आगे आना होगा।

जंग के बाद गाजा में बफर जोन बनाएगा इजराइल

हमास के खिलाफ जंग खत्म होने के बाद इजराइल गाजा पट्टी में बफर जोन बनाना चाहता है। उसने यह प्लान अमेरिका और अरब देशों के साथ शेयर भी किया है। रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। बफर जोन वो इलाका होता है, जहां हकीकत में खाली जगह होती है। आसानी से समझें तो इस जगह पर किसी का कब्जा नहीं होता। बफर जोन के जरिए इजराइल की कोशिश हमास को एक खास इलाके तक सीमित रखना और उसकी हर हरकत पर नजर रखना होगी। गाजा पट्टी सिर्फ40 किलोमीटर लंबी और करीब 12 किलोमीटर चौड़ी जगह है और यहां की आबादी तकरीबन 23 लाख है। अगर यहां इजराइल बफर जोन बनाता है तो यह जगह और तंग हो जाएगी।

हमास ने दक्षिणी इजरायल पर किए कई हवाई हमले

शुक्रवार की रात गाजा पट्टी की तरफ से भी दक्षिण इजरायल पर भी हवाई हमले किए गए। हालांकि इजरायल ने दावा कि तेल अवीव शहर के आसमान पर सभी रॉकेटों को आइरन डोम की मदद से रोक लिया गया। हमले में कोई हताहत नहीं हुआ है। इसके साथ ही युद्धविराम के बाद शुरू हमलों को लेकर दोनों ही तरफ आरोप-प्रत्यारोप भी शुरू हो गए हैं। इजरायल के साथ खुलकर खड़े होने वाले अमेरिका ने युद्धविराम के उल्लंघन के लिए हमास को ही जिम्मेदार ठहराया है। वहीं हमास अमेरिका को दोषी मान रहा है।

इस वजह से टूटा हमास और इजरायल के बीच युद्धविराम

हमास और इजरायल के के बीच तनातनी युद्धविराम के 7वें दिन ही बढ़ गई थी। हमास ने शनिवार को रिहा किए जाने वाले बंधकों की कोई भी लिस्ट कर रात 12 बजे तक नहीं सौंपी। वहीं इजरायल 7वें दिन बंधकों की लिस्ट को लेकर हमास से बेहद नाराज था। हमास ने न केवल लिस्ट नहीं सौंपी बल्कि दक्षिण इजरायल के दो शहरों पर रॉकेट भी बरसाए। दूसरी तरफ प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कल ही धमकी दी थी कि हमास का सफाया किए बिना इजरायल चैन से नहीं बैठेगा।

मिचौंग का कहर: स्कूल बंद ट्रेनें कैंसिल और तट खाली...

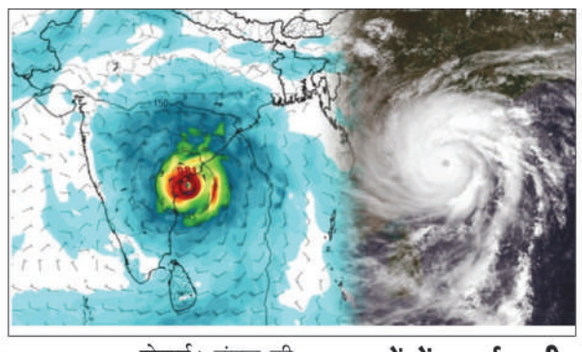

2 राज्यों में अलर्ट जारी, नागपट्टनम में 100 मीटर पीछे खिसका समुद्र, तेज हवा और बारिश की संभावना

चेन्नई। बंगाल की खाड़ी में बन रहा कम दबाव का क्षेत्र शनिवार को डीप डिप्रेशन में बदल गया। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, अगले 24 घंटे में यह चक्रवात का रूप ले लेगा।

इस तूफान का नाम मिचौंग रखा गया है। आईएमडी ने बताया, 3 दिसंबर से तूफान उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ेगा। 5 दिसंबर की सुबह तूफान आंध्र प्रदेश के नेल्लोर और मछलीपट्टनम तट को पार करेगा। उस समय तूफान की स्पीड 80-90 किमी प्रति घंटे होगी।

यह 100 किमी प्रति घंटे तक भी पहुंच सकती है। चक्रवात के असर से नागपट्टनम जिले के वेलानकन्नी बीच पर समुद्र 100 मीटर पीछे चला गया है, जहां किनारे की चौड़ाई बढ़ गई है। वहीं, तमिलनाडु के कई जिलों में भारी बारिश हो रही है। विशाखापत्तनम साइक्लोन वार्निंग सेंटर की एमडी सुनंदा ने ने एक बातचीत में कहा, 3 दिसंबर से तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश तट पर हवाएं और बारिश बढ़ जाएगी। दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश में मध्यम वर्षा और कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना है। अल नीनो एक्टिव; सर्दी का पैटर्न बदला, अगले तीन महीने में दिन का तापमान 4-5 डिग्री ज्यादा रह सकता है।

पुडुचेरी में स्कूलों की छुट्टी

तमिलनाडु के तिरुवल्लूर, कांचीपुरम, चेंगलपट्टू, चेन्नई, तेनकासी, थूथुकुडी, तिरुनेलवेली और कन्याकुमारी जिलों सहित पांच से अधिक जिलों में मध्यम बारिश के साथ बिजली गिरने की संभावना है। आंध्र प्रदेश के रायलसीमा में अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा, 3 और 4 दिसंबर को अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा की भविष्यवाणी की गई है। 4-5 दिसंबर को ओडिशा के तटीय इलाकों में भारी बारिश होने की संभावना है। तूफान के चलते ओडिशा के सात तटीय जिलों - बालासोर, भद्रक, केंद्रपाड़ा, जगतसिंहपुर, पुरी, खुर्दा और गंजाम को अलर्ट पर रखा गया है। तूफान के चलते 4 दिसंबर को पुडुचेरी, कराईकल और यानम क्षेत्रों के सभी कॉलेजों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। पुडुचेरी सरकार की तरफ से इसका नोटिफिकेशन जारी किया गया।

तूफान को मिचौंग नाम किसने दिया

मिचौंग तूफान नाम म्यांमार ने दिया है। इसका मतलब है ताकत और लचीलापन होता है। मिचौंग साइक्लोन साल 2023 में बंगाल की खाड़ी का चौथा और हिंद महासागर में बनने वाला छठा तूफान है।

विदेश मंत्रालय बोला- वहां जाना खतरनाक

हत्या के आरोप में यमन में कैद भारतीय नर्स, मां मिलने जाने की जिद पर अड़ी

अब दिल्ली हाईकोर्ट में सोमवार को सुनवाई

नई दिल्ली। यमन में मौत की सजा पाई केरल की रहने वाली नर्स निमिषा प्रिया की मां द्वारा यमन जाने की इजाज़त देने की गुहार को दिल्ली हाईकोर्ट ने फिलहाल ठुकरा दिया है। इस मामले पर सरकार के रुख के साथ विस्तृत सुनवाई सोमवार चार दिसंबर को होगी। निमिषा प्रिया की मां की याचिका पर सुनवाई के लिए छुट्टी के दिन दिल्ली हाईकोर्ट की स्पेशल बेंच शाम 4.30 बजे बैठी। दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा कि अगर मां और अन्य लोग अपने रिस्क पर यमन जाना चाहते है तो क्या इसकी इजाजत दी जा सकती है? दिल्ली हाईकोर्ट ने 10 साल की बच्ची को मां के साथ यमन जाने की इजाज़त देने से इनकार करते हुए पूछा कि क्या आप सरकार के मना करने के बाद भी खतरा उठाकर यमन जाना चाहती हैं? सरकार ने कहा है कि आप लोगों का वहां जाना सुरक्षित नहीं है।

ये है पूरा मामला

याचिका में कहा गया है कि निमिषा खाड़ी मुल्क यमन में फंस चुकी हैं। निमिषा की मां ने यमन में जाकर ब्लड मनी या कहें तो मुआवजा को रकम अदा कर अपनी बेटी को छुड़वाने के लिए यमन जाने की इजाज़त मांगी है। इससे पहले विदेश मंत्रालय ने यमन के मौजूदा हालात के मद्देनजर कहा कि हम सलाह देंगे कि वह वहां नहीं जाएं! उनकी मदद के लिए हमारा कोई राजनयिक मिशन यमन में मौजूद भी नहीं है।

देश की मध्यस्थता व्यवस्था पर रिटायर्ड जजों का है कब्जा

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि रिटायर्ड जजों ने देश की मध्यस्थता व्यवस्था को अपनी मुट्ठी में किया हुआ है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि अन्य योग्य लोगों को यहां मौके नहीं दिए जा रहे हैं। अब समय आ गया है, जब हमें आत्म अवलोकन करने की जरूरत है और जरूरी बदलाव करने की जरूरत है और अगर जरूरत पड़े तो कानून बनाकर ये बदलाव किए जाएं।

उपराष्ट्रपति का बड़ा बयान

इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ ऑर्बिट्रेशन में एक कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में उपराष्ट्रपति ने कहा कि किसी भी देश में या किसी अन्य व्यवस्था में रिटायर्ड जजों की मध्यस्थता व्यवस्था पर इतनी मजबूत पकड़ नहीं है, जितनी हमारे देश में है। उपराष्ट्रपति ने कार्यक्रम के दौरान मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति इस देश की न्यायपालिका में बड़े बदलाव कर रहा है और वो हैं देश के मुख्य न्यायाधीश। दरअसल कार्यक्रम में सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ भी मौजूद रहे और उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि मध्यस्थता व्यवस्था में विविधता की कमी है और रिटायर्ड जज इस क्षेत्र पर दबदबा बनाए हुए हैं।

उपराष्ट्रपति ने गिनाई खामियां

इस पर उपराष्ट्रपति ने कहा कि मैं इसके लिए उन्हें (मुख्य न्यायाधीश) सलाम करता हूं। उन्होंने कहा कि अन्य योग्य उम्मीदवार नजरअंदाज कर दिए जाते हैं और ओल्ड बॉयज क्लब मानसिकता मध्यस्थता व्यवस्था पर हावी है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि सीजेआई का यह बयान लंबे समय तक याद रखा जाएगा और इससे मध्यस्थता प्रक्रिया में मजबूती आएगी।

सर्वदलीय बैठक में केंद्र की विपक्ष से अपील- सदन चलने में सहयोग करें

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र से पहले सरकार ने कहा है कि वह सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार है, बशर्ते विपक्ष सदन में अनुकूल माहौल सुनिश्चित करे और कार्यवाही को सुचारू ढंग से चलने दे। यह बात सत्र शुरू होने से एक दिन पहले हुई ऑल पार्टी मीटिंग के दौरान कही गई। यह बैठक मध्यप्रदेश, तेलंगाना, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव परिणाम आने से ठीक पहले हुई। उधर, 17वीं लोकसभा का विंटर सेशन भी 4 दिसंबर से शुरू हो रहा है। 22 दिसंबर तक चलने वाले सत्र में 19 बिल और 2 फाइनेंशियल आइटम्स पर चर्चा होनी है। मीटिंग में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, संसदीय कार्य मंत्री प्रहलाद जोशी, केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल के अलावा कांग्रेस सांसद जयराम रमेश, प्रमोद तिवारी, झारखंड मुक्ति मोर्चा सांसद महुआ माजी मौजूद रहे। शीतकालीन सत्र के दौरान आईपीसी, सीआरपीसी और एविडेंस एक्ट बदलने वाले तीन महत्वपूर्ण बिल पास करने पर विचार किया जा सकता है। इसके अलावा तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा पर भी फैसला होना है।

सरकार हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार

19 दिन चलेगा संसद का शीतकालीन सत्र

संसद का शीतकालीन सत्र 4 दिसंबर से शुरू हो रहा है, जो 22 दिसंबर तक चलेगा। यह 17वीं लोकसभा का आखिरी सत्र है। 19 दिन के इस सेशन के दौरान 15 बैठकें होंगी। इसके बाद केवल विशेष बजट सत्र बुलाया जाएगा, जिसमें मौजूदा मोदी सरकार अंतरिम बजट पेश करेगी। अगले साल मई 2024 में लोकसभा चुनाव होंगे। जिसके बाद 18वीं लोकसभा का सत्र नई सरकार के आने पर बुलाया जाएगा।

पाकिस्तान: इमरान खान की पार्टी के नए अध्यक्ष बने बैरिस्टर गौहर अली खान

कराची। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के नए अध्यक्ष के तौर पर बैरिस्टर गौहर अली खान को निर्विरोध चुना गया है। उन्हें जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष इमरान खान ने नामित किया था। फिलहाल इमरान खान रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं। अध्यक्ष चुने जाने के बाद गौहर अली खान ने कहा, जब तक मैं पद पर हूं, तब तक इमरान खान का प्रतिनिधित्व करूंगा। उन्होंने कहा कि इमरान खान पीटीआई के अध्यक्ष थे, हैं और आजीवन अध्यक्ष बने रहेंगे। गौहर ने कहा कि अध्यक्ष पद उनके पास अमानत के तौर पर है और जैसे ही इमरान खान जेल से बाहर आएंगे, वह उनके पास चला जाएगा।

तमिलनाडु में ईडी अफसर 20 लाख घूस लेते गिरफ्तार

मदुरै। तमिलनाडु में ईडी के एक अफसर को 20 लाख रुपए घूस लेने के आरोप में राज्य की एंटी करप्शन और विजिलेंस टीम ने गिरफ्तार किया है। आरोपी ईडी के अफसर का नाम अंकित तिवारी है। वह मदुरै ईडी ऑफिस में पोस्टेड है। स्टेट एजेंसीज ईडी ऑफिस और तिवारी के घर की जांच कर रही है। स्टेट एजेंसीज के मुताबिक, ईडी अधिकारी ने एक सरकारी डॉक्टर को पुराने मामले में डरा-धमकाकर 3 करोड़ की डिमांड की थी। हालांकि, बाद में 51 लाख पर डील फाइनल हुई। डॉक्टर ने घूस की पहली किस्त के रूप में 1 दिसंबर को 20 लाख दे दिए।

डॉक्टर से 51 लाख मांगे थे, 5 महीने में सेंट्रल एजेंसी का तीसरा अफसर पकड़ा गया

मुंबई में चार मंजिला इमारत में लगी भीषण आग, तीन लोगों को बचाया

मुम्बई। मुंबई के गिरगांव चौपाटी में स्थित चार मंजिला एक इमारत में शनिवार रात को भीषण आग लग गई। फायर ब्रिगेड आग पर काबू पाने की कोशिश में जुटी है। बीएमसी ने बताया कि दमकल कर्मियों ने तीन लोगों को सुरक्षित बचा लिया है। इमारत के अंदर कई लोगों के फंसे होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आग रंगनेकर रोड स्थित गोमती भवन की दूसरी और तीसरी मंजिल पर रात करीब साढ़े नौ बजे लगी।

आज का इतिहास

- **2008 में** आज के दिन महाराष्ट्र के मुख्य मंत्री विलासराव देशमुख ने मुंबई में आतंकी घटना के बाद अपने पद से त्यागपत्र दे दिया था।
- **2000 में** 3 दिसंबर के दिन ही ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को टेस्ट मैच में हराकर लगातार 12 टेस्ट मैच जीतने का रिकॉर्ड बनाया था।
- **1984 में** आज ही के दिन भोपाल स्थित यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री से जहरीली गैस लीक होने से कम से कम 3,000 लोगों की मृत्यु हो गई थी।
- **1975 में** 3 दिसंबर के दिन ही लाओस गणराज्य घोषित हुआ था।
- **1971 में** आज ही के दिन भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध शुरू होने के बाद देश में आपातकाल लागू हुआ था।
- **1829 में** आज ही के दिन वायसराय लॉर्ड विलियम बैंटिक ने भारत में सती प्रथा पर रोक लगाई थी।
- **1796 में** आज ही के दिन बाजीराव द्वितीय को मराठा साम्राज्य का पेशवा बनाया गया था।

Filmi तड़का

एनिमल ने पक्का किया रणबीर का सुपरस्टार टैग

शाहरुख के बाद 100 करोड़ की ओपनिंग वाले सिर्फ दूसरे एक्टर

मुंबई। सुपरस्टार के टैग को अपना नया हकदार मिल गया है। अपनी नई फिल्म एनिमल से रणबीर ने बॉक्स ऑफिस पर वो भौकाल जमा दिया है, जो एक एक्टर को सुपरस्टार बनाता है। तीनों खान्स और ऋतिक के बाद अब रणबीर वो सुपरस्टार बन गए हैं, जिसकी फिल्म पहले दिन बॉक्स ऑफिस को हिला देने का दम रखती हैं। संदीप रेड्डी वांगा की एनिमल ने पहले ही दिन वो कमाल किया है, जिसका इंतजार रणबीर के फैन्स को लंबे समय से था।

शुक्रवार को रिलीज हुई एनिमल ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 63.60 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर डाला है। ट्रेड रिपोर्ट्स बताती हैं कि फिल्म ने हिंदी वर्जन से 54.75 करोड़ रुपये और डबिंग वर्जन से 9 करोड़ रुपये कमाए हैं। पहले दिन 75 करोड़ कमाने वाली जवान के बाद, अब एनिमल ने बॉलीवुड फिल्मों के इतिहास में दूसरा सबसे बड़ा ओपनिंग कलेक्शन जुटाया है। एनिमल अब तीसरी सबसे बड़ी ओपनिंग करने वाली हिंदी फिल्म बन गई है। इससे आगे सिर्फशाहरुख खान की फिल्में जवान (65.50 करोड़) और पठान (55 करोड़) हैं। यानी बॉलीवुड के लिए टॉप-3 ओपनिंग कलेक्शन अब शाहरुख खान और रणबीर कपूर के नाम हैं। इसके अलावा एनिमल ने एक और ऐसा कमाल किया है, जो शाहरुख के अलावा कोई और बॉलीवुड सुपरस्टार नहीं कर सका।

पहले दिन ही कमा डाले 100 करोड़

एनिमल ने पहले दिन वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 116 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया है। 100 करोड़ की ओपनिंग करने वाली ये सिर्फ 10वीं भारतीय फिल्म है।

वर्ल्डवाइड 100 करोड़ से ज्यादा ओपनिंग कलेक्शन करने वाली फिल्में

1. आरआरआर:	223 करोड़ रुपये
2. बाहुबली-2:	213 करोड़ रुपये
3. केजीएफ-2:	163 करोड़ रुपये
4. लियो:	148.50 करोड़ रुपये
5. आदिपुरुष:	140 करोड़ रुपये
6. जवान:	129.60 करोड़ रुपये
7. साहो:	126 करोड़ रुपये
8. एनिमल:	116 करोड़ रुपये*
9. 2.0:	110 करोड़ रुपये
10. पठान:	106 करोड़ रुपये

अमेरिका में रहस्यमयी बीमारी से सफेद पड़े फेफड़े, चपेट में बच्चे

अमेरिकी सांसदों की मांग चीन आना-जाना बैन हो

नई दिल्ली। चीन में फैली फेफड़ों से जुड़ी रहस्यमयी बीमारी अब अमेरिका में भी फैलने लगी है। इसके ज्यादातर पीड़ित 3 से 8 साल के बच्चे बताए जा रहे हैं। बीमारी से उनके फेफड़े सफेद पड़ रहे हैं।

अमेरिका के मैसाचुसेट्स और ओहायो में इस बीमारी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। वहां इस बैक्टीरियल निमोनिया को व्हाइट लंग सिंड्रोम कहा जा रहा है। ओहायो की वॉरेन काउंटी में इस बीमारी के 142 मामले सामने आए हैं। मैसाचुसेट्स के डॉक्टरों का कहना है कि व्हाइट लंग सिंड्रोम चीन की रहस्यमयी बीमारी की तरह ही बैक्टीरियल और वायरल इन्फेक्शन का मिक्सचर है। बीमारी फैलने के खतरे को देखते हुए अमेरिका की रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों ने राष्ट्रपति जो बाइडेन से चीन पर ट्रैवल बैन की मांग की है। पांच सांसदों का कहना है कि बीमारी पर ज्यादा जानकारी के लिए डब्ल्यूएचओ का इंतजार नहीं करना चाहिए। लोगों और अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए चीन आना-जाना तुरंत बंद करने की जरूरत है। व्हाइट लंग सिंड्रोम से पीड़ित बच्चों के चेस्ट के एक्स-रे में सफेद रंग के पैच दिखाई दे रहे हैं। ऐसा ज्यादातर दो तरह की बीमारियों में होता है।

फ्लैट खरीदने में समझें हिडेन प्राइस का गणित

अगर आप किसी परियोजना में फ्लैट खरीदने जा रहे हैं तो आप इस बात का ध्यान अवश्य रखें कि कहीं बिल्डर द्वारा आपसे कुछ हिडेन प्राइस अर्थात छिपी हुई कीमत तो नहीं वसूल की जा रही है। इसके लिए आपको बायर्स-बिल्डर्स एग्रीमेंट में कई अहम बातों को दर्ज कराना जरूरी है। अन्यथा आपको अधिक रकम का भुगतान करना पड़ सकता है। आइए जानते हैं वे कौन सी बातें हैं जिन्हें बिल्डर्स-बायर्स एग्रीमेंट में दर्ज कराया जाना बेहद जरूरी है

प्रदीप मिश्रा

फाउंडर, होमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड

रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी यानी रेरा के आने के बाद से रियल्टी सेक्टर के निवेशकों के साथ ही एंड यूजर्स के हितों को सुरक्षित रखने में जहां काफी हद तक मदद मिली है वहीं तमाम तरह की गड़बड़ियां करने वाले बिल्डर्स और डेवलपर्स पर इस संस्था ने लगाम भी कसी है। बावजूद इसके अनेक ऐसे बिल्डर्स है जो किसी न किसी जरिये अपनी परियोजनाओं में मौजूद संपत्तियों पर ग्राहकों से अधिक दाम वसूलने की कोशिश में लगे रहते है। कई बार इसे एक्स्ट्रा इलेक्ट्रिफिकेशन का नाम दे दिया जाता है तो कभी एक्सटर्नल डेवलपमेंट चार्ज। मौजूदा समय में भी कई बिल्डर्स ग्राहकों से पीएलसी यानी प्राइम लोकेशन चार्ज वसूलने से नही बाज आ रहे जबकि रेरा स्पष्ट तौर पर कह चुका है कि बिल्डर्स की तरफ से निर्धारित प्रति वर्ग फुट के दाम में संपत्ति की कुल कीमत समाहित होनी चाहिये और ग्राहक से किसी तरह का कोई अतिरिक्त चार्ज नही लिया जाना चाहिये। ऐसे में जब आप किसी बिल्डर या डेवलपर की परियोजना में मकान बुक करवा रहे हों तो इन छिपी कीमतों (हिडेन प्राइस) के बारे में भी उससे जरूर बात कर लें साथ ही सुनिश्चित कर लें कि बुकिंग के समय बताई व निर्धारित की गई कीमत के अलावा वह आपसे किसी अतिरिक्त रकम की मांग नहीं करेगा। वैसे संपत्ति की बुकिंग के बाद बिल्डर किसी न किसी रूप में आपसे अतिरिक्त पैसों की मांग कर सकता है अतः इसके बारे में आपको पूरी जानकारी होनी जरूरी है। आइए जानते हैं कि बिल्डर किन तरीकों से छिपी हुई कीमत वसूलते हैं।

ईडीसी और आईडीसी

ईडीसी का अर्थ एक्सटर्नल डेवलपमेंट चार्ज से है जबकि आईडीसी को इंटरनल डेवलपमेंट चार्ज के तौर पर समझा जा सकता है। कुछ साल पहले तक बिल्डर्स यह रकम बुकिंग के बाद परियोजना के आधा बन जाने या फिर पजेशन के समय मांगते थे। परियोजना के भीतरी और जिस लोकेशन पर परियोजना मौजूद रहती उस क्षेत्र में इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास को लेकर इस तरह की रकम की मांग की जाती थी। लेकिन कीमतों में हो रही इस हेरा फेरी के मद्देनजर रेरा ने कड़ाई बरती और बिल्डरों से ऐसी किसी तरह की रकम न मांगने की बात कही गई। जिसके बाद बिल्डर्स और डेवलपर्स ने इन चार्जेज को संपत्ति के मूल्य में समाहित करना शुरू कर दिया। हालांकि जो ग्राहक इस बात से अनिभज्ञ है उनसे बिल्डर्स की तरफ से एक बार फिर इसकी मांग की जाने लगी है ऐसे में इसके प्रति आपको जागरूक होना चाहिए।

पार्किंग और क्लब मेम्बरशिप

निजी बिल्डर्स की परियोजनाओं में ओपन और कवर्ड दो तरह की पार्किंग के विकल्प मिलते है जिसके लिए बिल्डर ग्राहकों से डेढ़ से पांच लाख रुपये तक वसूलते है। वहीं दूसरी तरफ क्लब सदस्यता को लेकर भी लगभग इसी अनुपात में राशि की मांग की जाती है। हालांकि रेरा की तरफ से स्पष्ट किया गया है कि बिल्डर इन मदों में भी ग्राहकों से पैसा नहीं ले सकता।

एक्स्ट्रा इलेक्ट्रिफिकेशन चार्ज

परियोजना के कॉमन एरिया मसलन पार्क, फुटपाथ, भीतरी सड़कें, सीढ़ियों वगैरह पर अतिरिक्त लाइटें और वायरिंग की जरूरत पड़ जाती है लेकिन इसका खर्च बिल्डर्स अपनी जेब पर नही डालता वरन इस सबकी वसूली भी प्रोजेक्ट में घर खरीदने वाले ग्राहकों पर डाल दी जाती है। इस चार्ज की जानकारी भी बिल्डर की तरफ से ग्राहक को संपत्ति की पजेशन के समय दी जाती है। आप अपने अधिकारों को समझते हुए बिल्डर को ही इस अतिरिक्त रकम का भुगतान करने के लिए कह सकते है। लेकिन यह तभी मुमकिन हो सकेगा जब बिल्डर बायर एग्रीमेंट में आपने पहले से लिखवा रखा हो कि बुकिंग के समय संपत्ति की जो कीमत निर्धारित की गई है आप उसे उससे अधिक नहीं देंगे।

लेट पेमेंट पेनाल्टी क्लॉज

मौजूदा समय में होम लोन की सुविधा का लाभ उठाते हुए संपत्तियां खरीदने वाले ग्राहकों की संख्या अधिक है। जहां तक किसी निर्माणाधीन परियोजना की बात है तो ऐसी संपत्तियों पर बैंकों की तरफ से कंस्ट्रक्शन लिंक प्लान के अनुसार लोन सैक्शन किया जाता है। कंस्ट्रक्शन लिंक का अर्थ यह है कि जैसे-जैसे परियोजना बनती जाएगी, उसी अनुपात में लोन की रकम बिल्डर के पास पहुंचती जाएगी। कई बार बैंक की तरफ से तय तारीख पर लोन की किस्त जारी नहीं हो पाती है जिसकी एवज में बिल्डर, ग्राहकों पर लेट पेमेंट पेनाल्टी लगा देता है। ऐसे चार-पांच मौके हो जाने पर बिल्डर की तरफ से ब्याज लगाकर उस रकम को लाखों रुपयों में पहुंचा दिया जाता है। इस बारे में भी ग्राहकों को बिल्डर पजेशन के समय ही सूचित करता है साथ ही रकम न चुकाये जाने पर मकान की बुकिंग रद्द करने की धमकी भी दी जाती है। ऐसे में इस क्लॉज को भी आप बिल्डर बायर एग्रीमेंट में जरूर शामिल करवा दें जिससे आपको अतिरिक्त रकम चुकाने की जरूरत न पड़े।

इन बातों को ध्यान में रखते हुए आप किसी परियोजना में संपत्ति की बुकिंग करवाते है तो निश्चय ही आप अपनी मेहनत की कमाई का दुरुपयोग होने से बचा पाने में सफल हो सकेंगे। साथ ही बिल्डर व डेवलपर की तरफ से इस तरह की अतिरिक्त रकम की मांग किये जाने पर आप रेरा के समक्ष उसकी शिकायत भी कर सकते है। फिर भी मै यही कहूंगा कि बुकिंग के समय ही बिल्डर बायर एग्रीमेंट में आप अपने हितों संबंधी तमाम बातें लिखवाने का प्रयास करें ताकि आप सही दाम पर अच्छी संपत्ति प्राप्त कर सकें। ■

सोने के कितने जेवर रखने की है अनुमति

आमतौर पर लोगों को यह नहीं पता होता है कि वे अपने घरों में अधिकतम कितने मूल्य के सोने के आभूषण रख सकते हैं। इसके चलते कई बार उन्हें काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। इसी वजह से लोग इस बात को लेकर अक्सर पसोपेश में रहते हैं कि अपने घर में कितनी गोल्ड ज्वेलरी रखी जाए ताकि कोई मुश्किल न पेश आए। काफी लोग शायद ही यह जानते होंगे कि सरकार ने स्वर्ण नियंत्रण कानून काफी पहले खत्म कर दिया था। जब तक यह कानून लागू था तब तक तो लोगों को यह पता होता था कि घर में कितने मूल्य के सोने के आभूषण रखे जाने चाहिए लेकिन इस कानून के खत्म होने के बाद लोगों को यह जानकारी नहीं है। आयकर विभाग यानी सीबीडीटी द्वारा मई 1994 में जारी एक आदेश में घर में सोना रखने की एक सीमा निर्धारित कर दी गई है। आइये जानते हैं कि इस सीमा के तहत आप अपने घर में अधिकतम कितने मूल्य के सोने के आभूषण रख सकते हैं।

महिलाओं के लिए क्या है सीमा

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) द्वारा मई 1994 में जारी एक सर्कुलर में कहा गया है कि किसी परिवार की एक विवाहित महिला सदस्य द्वारा अपने पास अधिकतम 500 ग्राम यानी आधा किलो सोने के आभूषण रखे जा सकते हैं। यही नहीं अगर किसी परिवार में कोई महिला अविवाहित है तो वह सिर्फ 250 ग्राम सोने के आभूषण ही अपने पास रख सकती है। सिर्फ महिलाओं के लिए ही नहीं पुरुषों के लिए भी सोने के आभूषण रखने की सीमा का जिक्र इस सर्कुलर में किया गया है। कोई भी विवाहित अथवा अविवाहित पुरुष अपने पास अधिकतम 100 ग्राम स्वर्णाभूषण रख सकता है। अगर कभी आयकर विभाग जांच में निर्धारित मात्रा अथवा उससे कम मात्रा में सोना पकड़ता है तो उससे संबंधित कागजात दिखाने पर उसे जब्त नहीं करता।

अक्सर आपने सुना होगा कि अमुक व्यक्ति के घर आयकर विभाग के छापे में काफी मात्रा में गोल्ड ज्वेलरी बरामद हुई। लेकिन क्या आप यह जानते हैं कि एक महिला या पुरुष अपने पास कितने मूल्य की गोल्ड ज्वेलरी रख सकते हैं। अगर नहीं जानते तो आज हम आपको बता रहे हैं कि आप अपने घर में अधिकतम कितने मूल्य की सोने की ज्वेलरी रख सकते हैं और नियमों के मुताबिक ज्वेलरी रखने और इसके कागजात दिखाने पर आयकर विभाग इसे जब्त नहीं करता है

ज्यादा स्वर्णाभूषण रखने के नियम

सीबीडीटी ने जो सर्कुलर जारी किया उसका अर्थ यह कतई नहीं है कि तय मात्रा से ज्यादा सोना कोई रख ही नहीं सकता। जरूर रखा जा सकता है बशर्ते सोना रखने वाला व्यक्ति सोने की खरीद के कागजात जैसे बिल अथवा भुगतान की रसीद, आयकर अदा करने से संबंधित दस्तावेज और बैंक खाते से किये गए भुगतान के कागजात उसे आयकर विभाग के समक्ष पेश करने होंगे। अगर आयकर विभाग को यह नहीं पता चलता कि किस स्रोत से यह अतिरिक्त स्वर्णाभूषण खरीदे गए हैं वह उसे जब्त कर सकता है। जब्त किए जाने वाले आभूषणों में से उतने आभूषण वह छोड़ सकता जितने आभूषणों की घर में रखने की इजाजत है। लेकिन इसके भी कागजात दिखाने होंगे।

खरीद की रकम का स्रोत बताना जरूरी

अगर आप यह सोच रहे हैं कि निर्धारित सीमा तक सोना रखने पर उसको जब्त नहीं किया जा सकता तो यह विचार गलत हैं। आपके द्वारा निर्धारित मात्रा में सोने की ज्वेलरी रखने पर भी आयकर विभाग उसके भी स्रोत के बारे में जानकारी मांग सकता है। इसके लिए आपको आभूषण की खरीद से जुड़ी रसीदें व बिल दिखाने पड़ सकते हैं साथ ही इसके भुगतान का माध्यम भी बताना पड़ सकता है। भुगतान का माध्यम नकदी के रूप में नहीं होना चाहिए अन्यथा तय मात्रा में रखे गए सोने के आभूषण भी जब्त किये जा सकते हैं। यह आयकर विभाग के अफसरों के विवेक पर निर्भर है कि अगर वह आपके द्वारा दिखाए गए कागजात से संतुष्ट होंगे तो वे स्वयं आपके आभूषणों को जब्त नहीं करेंगे।

किस माध्यम से खरीदें गोल्ड ज्वेलरी

सोना खरीदते वक्त एक बात हमेशा ध्यान रखें कि इसकी खरीद हमेशा डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, चेक, बैंक ड्राफ्ट से ही करनी चाहिए। यह चीजें इस बात को सुनिश्चित करती हैं कि आप वैध पैसों से सोने की खरीद कर रहे हैं। नकदी में सोना खरीदने की अनुमति है लेकिन इसके लिए सिर्फ दो लाख रुपये तक की सीमा तय की गई है लेकिन इसके लिए भी आपसे पैन कार्ड मांगा जा सकता है। नकदी में सोना खरीदने वाला व्यक्ति अगर दो लाख रुपये मूल्य से ज्यादा सोने के आभूषण खरीदता है तो उसे अतिरिक्त रकम के बराबर पेनाल्टी चुकानी पड़ सकती है।

सोने के आभूषण ही रखें तो बेहतर है

आयकर विभाग द्वारा जारी सर्कुलर में सिर्फ सोने के आभूषणों को रखने की सीमा तय की गई है इसलिये यह कोशिश करें कि घर में रखा सोना भले ही वह निर्धारित सीमा के भीतर ही क्यों न हो, आभूषणों के रूप में ही होना चाहिए। किसी अन्य रूप जैसे सोने के बिस्कुट, छड़ या बर्तनों के रूप में न हो। अगर आभूषणों के अलावा किसी अन्य रूप में सोना मिलता है तो वह जब्त किया जा सकता है। ■

डाक्टरों की आमदनी बढ़ाने में मददगार है डाक्टर्स लोन

कमाल अहमद रूमी

आर्थिक पत्रकार

बैंकों ने डाक्टरों के लिए डाक्टर्स लोन की सुविधा शुरू की है। अगर आप डाक्टर हैं तो आप बैंक से क्लीनिक, अस्पताल, नर्सिंग होम या पैथालोजी खोलने के लिए विशेष तौर पर शुरू किये गए डाक्टर्स लोन को हासिल कर सकते हैं। यह लोन अन्य लोन की तुलना में कुछ सस्ता मिल सकता है। अगर आपका कोई क्लीनिक पहले से है तो आप अपने क्लीनिक में जरूरी चिकित्सा एवं टेस्टिंग उपकरण लगाकर अपनी आय को बढ़ा भी सकते हैं

जिस तरह एक वकील को नाम और पैसा कमाने में एक लंबा समय लगता है ठीक उसी तरह एक डाक्टर का कैरियर भी बेहद चुनौतियों वाला होता है और उसे नाम और पैसा कमाने के लिए एक लंबा सफर तय करना होता है। एक अच्छा डाक्टर बनने के लिए तो अनुभव को मानक के तौर पर देखा जाता है लेकिन एक नामी गिरामी डाक्टर बनने के लिए उसके स्टेटस को भी देखा जाता है। जैसे कि डाक्टर का क्लीनिक, नर्सिंग होम या निजी अस्पताल किस स्तर का है, उसमें कितना स्टाफ है और उसमें क्या-क्या सुविधाएं हैं, कौन-कौन से चिकित्सा उपकरण हैं इत्यादि। लेकिन यह मुकाम हासिल करने के लिए डाक्टर को बहुत चुनौतियों को पार पाना होता है उसके बाद ही वह इस मुकाम पर पहुंच पाता है। आमतौर पर जिन डाक्टर्स की प्रैक्टिस अच्छी चलती है वे कुछ ही वर्षों में हास्पिटल या नर्सिंग होम खोल लेते हैं लेकिन जिन डाक्टर्स की प्रैक्टिस सामान्य होती है उन्हें लंबे समय तक अपने क्लीनिक के जरिये ही बचत करनी होती है ताकि भविष्य में वे अपना हास्पिटल खोल सकें। अगर आप भी डाक्टर हैं और आपकी प्रैक्टिस बहुत अच्छी तो नहीं मगर ठीक-ठाक चल रही है तो आप को थोड़ा प्रयत्न करना होगा जिससे आपकी क्लीनिक से होने वाली आमदनी बढ़ सकती है और आप जल्द ही अपना हास्पिटल या नर्सिंग होम खोल सकते हैं। जी... हां... अगर आप बैंक से कर्ज लेकर अपने क्लीनिक में ही कुछ जरूरी उपकरण खरीद कर लगा लें तो निश्चित रूप से आपकी आमदनी बढ़ेगी और जल्द ही आपके पास इतना पैसा जमा हो जाएगा कि कोई भी बैंक आपको अस्पताल खोलने के लिए पूंजी उपलब्ध करा देगा। आइए जानते हैं कि यह कैसे हो सकेगा संभव।

बैंक देते हैं डाक्टर्स लोन

किसी भी डाक्टर को अपने क्लीनिक से होने वाली आय बढ़ाने के लिए अपने क्लीनिक पर ही कुछ चिकित्सा उपकरण लगाने व क्लीनिक अथवा हास्पिटल बनाने के लिए बैंक जो लोन देते हैं उसे डाक्टर्स लोन के रूप में वर्गीकृत किया गया है। डाक्टर्स लोन के तहत आप अपने क्लीनिक पर अल्ट्रासाउंड, एक्सरे, ब्लड टेस्ट, बीपी टेस्ट, टूडी ईको जैसी सुविधाएं दे सकते हैं। इसके लिए आपको फिलहाल अपने यहां सिर्फ एक पैथालोजिस्ट की नियुक्ति करनी होगी जो यह सारा काम देख सकता है। यह सारी सुविधाएं एक साथ न शुरू करके बारी-बारी से एक-एक सुविधा शुरू करें। इसके लिए बैंक डाक्टर्स को लोन मुहैया कराते हैं जब एक लोन की कम से कम आधी अदायगी हो जाए तो आप दूसरे उपकरण के लिए लोन हासिल करने हेतु अपने बैंक से बात कर सकते हैं।

डाक्टर्स लोन में कितनी श्रेणी

डाक्टर्स लोन में भी बैंकों द्वारा कई श्रेणियां बनाई गई हैं। इसमें सबसे छोटा लोन चिकित्सा उपकरण खरीदने के लिए दिया जाने वाला पर्सनल लोन होता है। इस लोन से आप अपने क्लीनिक में छोटे-मोटे चिकित्सा उपकरण जैसे अल्ट्रासाउंड सिस्टम इत्यादि खरीद सकते हैं। इसके अलावा अस्पताल या क्लीनिक खोलने या रिनोवेट करने के लिए भी बैंक प्रापर्टी लोन भी देते हैं। कई बैंक प्राइवेट मेडिकल कालेज या हास्पिटल खोलने के लिए बिजनेस लोन भी मुहैया कर रहे हैं।

कितनी होती है ब्याज दर

डाक्टर्स लोन श्रेणी के तहत दिये जाने वाले विभिन्न प्रकार के लोन पर ब्याज दरें अलग-अलग होती हैं लेकिन यह ब्याज दरें सामान्य व्यक्ति से वसूली जाने वाली ब्याज दरों से कुछ कम होती हैं। कई बैंकों में यह अंतर आधा से एक फीसद तक हो सकता है। उदाहरण के तौर पर अगर कोई सामान्य व्यक्ति पर्सनल लोन लेने जाता है तो उससे न्यूनतम 11 फीसद और अधिकतम 24 फीसद की दर से ब्याज वसूला जाता है। लेकिन एक डाक्टर को इसमें आधा से एक फीसद तक की छूट प्रदान की जाती है। छूट की दर बैंकों में अलग-अलग हो सकती है। हालांकि कुछ निजी बैंक इससे कहीं ज्यादा छूट प्रदान कर रहे हैं। इसके अलावा सरकारी योजनाओं के तहत डाक्टर्स के लिए कुछ लोन बेहद सस्ते होते हैं। आमतौर पर विभिन्न सरकारी योजनाओं में सिर्फ आठ फीसद की दर से लोन हासिल किया जा सकता है। इसके लिए डाक्टर को अपने बैंक से बात करनी होगी और यह पता करना होगा किन सरकारी योजनाओं के लिए कम ब्याज दर पर कर्ज हासिल किया जा सकता है। गौरतलब है कि सरकार ने छोटे शहरों में स्वास्थ्य ढांचे को अपना समर्थन प्रदान करने के लिए एक बड़ा बजट रखा है। अर्थात अगर कोई डाक्टर किसी छोटे शहर में अस्पताल इत्यादि खोलता है तो उसे बेहद सस्ती दर पर लोन मिल सकता है।

किसमें इस्तेमाल कर सकते हैं कर्ज की रकम

कोई भी डाक्टर लोन की रकम को अपना क्लीनिक, अस्पताल, नर्सिंग होम इत्यादि खोलने, चिकित्सा उपकरण जैसे अल्ट्रासाउंड सुविधा, एक्सरे सुविधा, विभिन्न प्रकार की ब्लड टेस्ट सुविधा, फर्नीचर व कार्यालय के उपकरण खरीदने व तमाम अन्य उपकरण खरीदने पर खर्च कर सकता है।

कर्ज के लिए पात्रता

किसी भी डाक्टर को डाक्टर्स पर्सनल लोन अथवा डाक्टरों के लिए शुरू की गई अन्य ऋण योजनाओं का लाभ उठाने के लिए कम से कम एक साल का प्राइवेट प्रैक्टिस अथवा किसी अस्पताल या नर्सिंग होम में काम करने का अनुभव होना चाहिए। इसके अलावा डाक्टर को एमबीबीएस, बीयूएमएस, बीडीएस अथवा कोई अन्य मेडिकल डिग्री धारक होना चाहिए। साथ ही लोन के लिए डाक्टर की न्यूनतम आयु 22 वर्ष एवं अधिकतम आयु 65 वर्ष होनी जरूरी है। इसके अलावा कर्ज लेने वाले डाक्टर की न्यूनतम आमदनी भी 15 हजार रुपए होनी चाहिए। साथ ही डाक्टर का सिबिल स्कोर भी कम से कम 750 होना जरूरी है। अगर कोई डाक्टर ये पात्रताएं पूरी करता है तो उसे इस तरह के लोन आसानी से मिल जाते हैं।

लोन के लिए जरूरी कागजात

जो औपचारिकताएं अन्य लोगों को दिये जाने वाले लोन में पूरी कराई जाती हैं वही औपचारिकताएं डाक्टर्स लोन में भी पूरी करनी होती हैं। अर्थात लोने लेते वक्त आम आदमी जो दस्तावेज बैंक को मुहैया कराता है वही दस्तावेज डाक्टर्स को भी मुहैया कराने होते हैं। इसमें डाक्टर्स को अपनी मेडिकल डिग्री का प्रमाणन और अनुभव के दस्तावेज अतिरिक्त तौर पर मुहैया कराने होते हैं। पते के प्रमाण के तौर पर राशन कार्ड, पासपोर्ट, बिजली बिल, आधार कार्ड, फोटो और बैंक खाते के प्रमाणन के लिए पैन कार्ड व कुछ फोटोग्राफ भी बैंक के सामने प्रस्तुत करने होते हैं। अगर डाक्टर किसी अस्पताल में नौकरी कर रहे हैं तो उन्हें उसके प्रमाण के रूप में वहां की सैलरी स्लिप प्रस्तुत करनी होगी।

कितना मिलता है लोन

डाक्टर्स लोन में चूंकि कई श्रेणियां हैं इसलिये प्रत्येक श्रेणी की ब्याज दर अलग हो सकती है। उदाहरण के तौर पर अगर पर्सनल लोन की ब्याज दर 12 फीसद है तो बिजनेस लोन या प्रापर्टी लोन के लिए ब्याज दरें कुछ अलग होंगी। हां यह जरूर है कि यह दरें अन्य लोगों को दिये जाने वाले इन्हीं श्रेणी के लोन से कुछ कम होती हैं

श्रेयस और चाहर के प्रदर्शन पर होगी निगाह, वाशिंगटन को मिलेगा मौका

भारत का आस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवां टी20 मैच आज

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

श्रृंखला में पहले ही अजेय बढ़त हासिल कर चुकी भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले पांचवें और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में दक्षिण अफ्रीका के दौरे को ध्यान में रखकर श्रेयस अय्यर और दीपक चाहर के प्रदर्शन पर विशेष गौर करेगी। भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 10 सितंबर से टी20 श्रृंखला खेलनी है जिसमें अय्यर और चाहर की भूमिका अहम होगी।

अय्यर ने वनडे विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया था लेकिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रायपुर में शुक्रवार को उन्होंने पिछले एक साल से भी अधिक समय में अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला। इस मैच में उन्होंने सात गेंद का सामना करके आठ रन बनाए जिनमें कोई बाउंड्री शामिल नहीं है। इसलिए दक्षिण अफ्रीका जाने से पहले अय्यर चिन्नास्वामी स्टेडियम में बड़ी पारी खेलने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कुछ दिन पहले ही वनडे विश्व कप में इस मैदान पर नीदरलैंड के खिलाफ शतक लगाया था।

चाहर ने की वापसी

अय्यर की तरह चाहर ने भी चोटिल होने के कारण लंबे समय तक बाहर रहने के बाद वापसी की है। रायपुर में खेला गया मैच उनका टी20 प्रारूप में भारत की तरफ से पिछले साल अक्टूबर के बाद पहला मैच था। इस 31 वर्षीय तेज गेंदबाज ने टिम डेविड और मैथ्यू शॉर्ट के विकेट लेकर प्रभाव डाला, लेकिन उन्होंने अपने चार ओवर के कोटे में 44 रन दिए। चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच उनके अनुकूल नहीं हो सकती है लेकिन अपनी विविधता पूर्ण गेंदबाजी के कारण चाहर सफलता हासिल कर सकते हैं।

फार्म में भारतीय बल्लेबाज

भारत की तरफ से बल्लेबाजी में कप्तान सूर्यकुमार यादव, ऋतुराज गायकवाड़, रिंकू सिंह, यशस्वी जयसवाल और इशान किशन ने अच्छा प्रदर्शन किया है। पिछले मैच में किशन की जगह खेलने वाले जितेश शर्मा ने भी अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित किया। गेंदबाजी में रवि बिश्नोई ने अभी तक सात विकेट लेकर अच्छा प्रदर्शन किया है। दूसरी तरफ ऑस्ट्रेलिया की टीम ने अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं किया है। उसकी टीम जीत के साथ श्रृंखला का अंत करके स्वदेश लौटना चाहेगी।

टीम प्रबंधन सुंदर पर करेगा भरोसा

दक्षिण अफ्रीका के दौरे से पहले टीम प्रबंधन ऑफ स्पिनर वाशिंगटन सुंदर को भी इस मैच में मौका दे सकता है। वाशिंगटन भी पिछले कुछ समय से चोटों से परेशान रहे हैं। उन्हें बाएं हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल की जगह टीम में शामिल किया जा सकता है जिन्हें दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए टीम में जगह नहीं मिली है।

टीम इस प्रकार हैं

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), रुतुराज गायकवाड़, इशान किशन, यशस्वी जयसवाल, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, अवेश खान, मुकेश कुमार।

ऑस्ट्रेलिया : मैथ्यू वेड (कप्तान), जेसन बेहरेनडोर्फ, टिम डेविड, बेन इवारशुइस, नाथन एलिस, क्रिस ग्रीन, आरोन हार्डी, ट्रैविस हेड, बेन मैकडरमॉट, जोश फिलिप, तनवीर सांघा, मैट शॉर्ट, केन रिचर्डसन।

खबर संक्षेप

विश्व कप से बाहर होने से निराश था : अक्षर

रायपुर। भारतीय स्पिनर अक्षर पटेल ने स्वीकार किया कि चोटिल होने के कारण वनडे विश्व कप से बाहर होने से वह निराश थे और इससे उबरने में उन्हें एक सप्ताह का समय लगा। इस 29 वर्षीय खिलाड़ी को विश्व कप के लिए भारतीय टीम में चुना गया था लेकिन एशिया कप के दौरान वह चोटिल हो गए थे जिसके कारण उन्हें बाहर होना पड़ा। उनकी जगह रविचंद्रन अश्विन को विश्व कप की टीम में शामिल किया गया था। अक्षर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, 'निश्चित तौर पर इससे किसी को भी निराशा होती। '

विश्व कप में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

बेंगलुरु। भारतीय जूनियर हॉकी टीम के उप कप्तान अरिजीत सिंह हुंदल ने शनिवार को यहां कहा कि हाल में महाद्वीपीय प्रतियोगिता में अच्छे प्रदर्शन के बाद टीम का हौसला बढ़ा हुआ है और उसे पांच दिसंबर से कुआलालंपुर में शुरू होने वाले जूनियर विश्व कप में बेहतर परिणाम की उम्मीद है। भारतीय टीम इस प्रतियोगिता में अपना पहला मैच पांच दिसंबर को दक्षिण कोरिया के खिलाफ खेलेगी। भारत 2021 में भुवनेश्वर में खेले गए टूर्नामेंट में फ्रांस से हारने के कारण चौथे स्थान पर रहा था।

आर्थर और मेदजेदोविच में होगा खिताबी मुकाबला

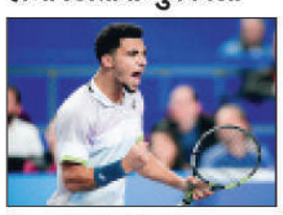

जेद्दा। फ्रांस के शीर्ष वरीयता प्राप्त आर्थर फिल्स ने शुरू में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करके नेक्स्ट जेन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया जहां उनका मुकाबला सर्बिया के हमाद मेदजेदोविच से होगा। सत्र की इस आखिरी प्रतियोगिता में 21 वर्ष या उससे कम उम्र के शीर्ष आठ खिलाड़ी भाग लेते हैं। उन्नीस वर्षीय फिल्स ने फ्रांस के अपने साथी लुका वान एश को 2-4, 4-1, 4-3 (1), 4-3 (6) से हराया। मेदजेदोविच ने डोमिनिक स्ट्रीकर के पीठ दर्द के कारण सेमीफाइनल में आधे मैच से हट जाने के बाद फाइनल में जगह बनाई। उस समय 20 वर्षीय मेदजेदोविच 4-3 (5), 2-1 से आगे चल रहे थे। इस प्रतियोगिता की शुरुआत 2017 में की गई थी और पहली बार इसका आयोजन सऊदी अरब में किया जा रहा है। इससे पहले यह मिलान में आयोजित की जाती थी। स्टेफानोस सितसिपास, यानिक सिनर और कार्लोस अलकराज इस प्रतियोगिता के पूर्व चैंपियनों में शामिल हैं।

क्रिकेट : ब्रिस्बेन हीट को 3 रन से मिली निराशाजनक हार

एडिलेड स्ट्राइकर्स ने लगातार दूसरी बार जीता महिला बिग बैश लीग का खिताब

एजेंसी ▶▶| एडिलेड

महिला बिग बैश लीग के रोमांचक फाइनल में एडिलेड स्ट्राइकर्स ने ब्रिस्बेन हीट के 3 रन से हरा दिया। एडिलेड ओवल में खेले गए फाइनल मुकाबले में गत चैंपियन स्ट्राइकर्स ने अपने खिताब का बचाव किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए एडिलेड स्ट्राइकर्स ने 20 ओवर में 125 रन बनाए थे। लक्ष्य का बचाव करते हुए एडिलेड ने ब्रेस्बेन हीट को 20 ओवर में 122 रन पर रोक दिया।

आखिरी ओवर में हीट को 13 रनों की जरूरत थी, ऐसे में मैच किसी भी तरफ जा सकता था। लेकिन अंत में, अमांडा-जेड वेलिंगटन ने हीट बल्लेबाजों को कोई मौका नहीं दिया की वह मैच जीत सकें। वेलिंगटन ने 4 ओवर में 16 रन देकर 3 विकेट चटकाए। वेलिंगटन को प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब दिया गया। मेगन स्कट और ताहलिया मैकग्रा को दो-दो विकेट मिले।

मैकग्रा ने खेली कप्तानी पारी

एडिलेड स्ट्राइकर्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। टीम की ओवर से कप्तान ताहलिया मैकग्रा ने 38 और वोल्वार्ड ने सर्वाधिक 39 रन की पारी खेली। ब्रिजेट पैटरसन ने 11 रन का योगदान दिया। इसके अलावा कोई भी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं पार कर पाईं। स्ट्राइकर्स ने 20 ओवर में 5 विकेट गंवाकर 125 रन बनाए। निकोला हैनकॉक को तीन विकेट मिले।

केर भी नहीं दिला सकीं जीत

छोटे लक्ष्य का पीछा करने उतरी ब्रेस्बेन हीट की शुरुआत ठीक रही। 32 के योग पर ग्रेस हैरिस का विकेट गंवाया। ग्रेस हैरिस ने 15 रन बनाए। जॉर्जिया रेडमायने 22 रन बनाकर आउट हुईं। अमेलिया केर ने नाबाद 30 रन बनाए। चार्ली नॉट ने 20 रन बनाकर कुछ देर तक जीत के लिए लड़ाई लड़ी। हालांकि, वह टीम को जीत नहीं दिला सकीं। ब्रेस्बेन हीट ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 122 रन ही बना सकी।

बांग्लादेश ने न्यूजीलैंड को 150 रन से हराया

इस्लाम ने चटकाए 10 विकेट

एजेंसी ▶▶| सिलहट

बाएं हाथ के स्पिनर ताइजुल इस्लाम ने अपने कॅरियर में दूसरी बार मैच में 10 विकेट लेने का कारनामा किया, जिससे बांग्लादेश ने न्यूजीलैंड को पहले टेस्ट क्रिकेट मैच में शनिवार को यहां 150 रन से करारी शिकस्त दी। ताइजुल ने पहली पारी में 109 रन देकर चार और दूसरी पारी में 75 रन देकर 6 विकेट लिए।

न्यूजीलैंड की टीम 332 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए खेल के पांचवें और अंतिम दिन पहले सत्र में ही 181 रन बनाकर आउट हो गई। ताइजुल के अलावा बांग्लादेश की तरफ से ऑफ स्पिनर नईम हसन ने 40 रन देकर दो विकेट जबकि तेज गेंदबाज शोरफुल इस्लाम (1-13) और ऑफ स्पिनर मेहदी हसन (1-44) ने एक-एक विकेट लिया। न्यूजीलैंड ने सुबह 7 विकेट पर 113 रन से अपनी दूसरी पारी आगे बढ़ाई।

उसकी तरफ से डेरिल मिचेल ने सर्वाधिक 58 रन बनाए जबकि कप्तान टिम साउदी में 24 गेंद पर 34 रन की आक्रामक पारी खेली। ईश सोढ़ी ने 91 गेंद पर 22 रन की संघर्ष पूर्ण पारी खेली। दूसरा और अंतिम टेस्ट मैच 6 दिसंबर से मीरपुर में खेला जाएगा।

वैशाली बनीं ग्रैंडमास्टर

दुनिया की पहली भाई-बहन की जोड़ी ने रचा इतिहास

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

भारतीय शतरंज खिलाड़ी आर वैशाली स्पेन के एल लोब्रेगाट ओपन में ग्रैंडमास्टर खिताब हासिल करने वाली देश की तीसरी महिला खिलाड़ी बनी। इससे वह अपने भाई आर प्रज्ञानानंदा के साथ मिलकर दुनिया की पहली भाई-बहन ग्रैंडमास्टर जोड़ी बन गईं। वैशाली ने यह उपलब्धि शुक्रवार को 2500 ईएलओ रेटिंग अंक पार करने के बाद हासिल की। वह देश की 84वीं ग्रैंडमास्टर (जीएम) हैं। कोनेरू हम्पी और डी हरिका भारत की दो अन्य महिला ग्रैंडमास्टर खिलाड़ी हैं।

चेन्नई की 22 साल की वैशाली ने स्पेन में 2500 ईएलओ रेटिंग अंक का आंकड़ा पार किया जिसमें उन्होंने दूसरे दौर में तुर्की की तैमर तारिक सेल्बेस को पराजित किया। वैशाली ने अक्टूबर में कतर मास्टर्स टूर्नामेंट में तीसरी जीएम नॉर्म हासिल की थी और उन्हें अपनी ईएलओ रेटिंग बढ़ाने की जरूरत थी।

कैंडिडेट्स में भी बनाई जगह

प्रज्ञानानंदा और वैशाली विश्व चैंपियनशिप मैच के लिए क्वालीफाइंग टूर्नामेंट कैंडिडेट्स में जगह बनाने वाली पहली भाई-बहन की जोड़ी भी बन गए। कैंडिडेट्स टूर्नामेंट अप्रैल में टोरंटो में खेला जाएगा। वैशाली के छोटे भाई प्रज्ञानानंदा ने 2018 में जीएम खिताब हासिल किया था जब वह महज 12 साल के थे।

आनंद ने दी बधाई

हम्पी जीएम खिताब हासिल करने वाली दुनिया की सबसे युवा महिला खिलाड़ी हैं। वह 15 साल की उम्र में 2002 में जीएम बनी थीं। शतरंज के महान खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद ने सोशल नेटवर्किंग मंच 'एक्स' पर वैशाली को बधाई देते हुए कहा, 'पिछले कुछ महीनों में उसने काफी मेहनत की है और यह अच्छा संकेत है क्योंकि वह कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए तैयारी कर रही है। उनके माता-पिता को बधाई।' वैशाली के पिता रमेशबाबू खुद एक शतरंज खिलाड़ी हैं जिन्होंने ही अपने बच्चों को इस खेल में आने के लिए प्रोत्साहित किया।

आईपीएल ने मुझे दबाव में शांतचित बने रहना सिखाया

रायपुर। भारतीय बल्लेबाज रिंकू सिंह ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वर्तमान टी20 श्रृंखला में दबाव की परिस्थितियों में भी शांत बने रहकर अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभाने का श्रेय इंडियन प्रीमियर लीग में खेलने को दिया। रिंकू ने चौथे मैच में 29 गेंद पर 46 रन बनाए जबकि श्रृंखला में अपना पहला खेल रहे जितेश शर्मा ने 19 गेंद पर 35 रन की पारी खेली। भारत की शुक्रवार को यहां 20 रन से जीत के बाद रिंकू ने बीसीसीआई टीवी पर जितेश से कहा, 'मैं लंबे समय से खेल रहा हूं। मैं पिछले 5-6 साल से आईपीएल में खेल रहा हूं, जिससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ा। मैं खुद पर भरोसा रखता हूं और शांत बने रहने की कोशिश करता हूं।'

रोनाल्डो को हार के बाद सुनने पड़े 'मेसी... मेसी...' के नारे

एजेंसी ▶▶| रियाद

क्रिस्टियानो रोनाल्डो की मौजूदगी के बावजूद अल नासर को सऊदी अरब फुटबॉल प्रो लीग में अल हिलाल के हाथों 3-0 से हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद विजेता टीम के प्रशंसकों ने 'मेसी, मेसी' के नारे लगाकर पुर्तगाल के इस सुपरस्टार पर ताने कसे।

लियोनेल मेसी का इस मैच से कोई लेना-देना नहीं था लेकिन पिछले दो दशक से रोनाल्डो और उनके बीच फुटबॉल के मैदान पर कड़ी प्रतिद्वंद्विता रही है। यही वजह थी कि पांच बार के बैलन डी'ओर विजेता रोनाल्डो जब मैदान से बाहर निकल रहे थे तो अल हिलाल के प्रशंसक अर्जेंटीना के सुपरस्टार का नाम लेकर उन्हें चिढ़ा रहे थे। रोनाल्डो इस मैच में अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाए जबकि विजेता टीम की तरफ से अलेक्जेंडर मित्रोविच ने दो और सर्बिया के उनके साथी सर्गेज मिलिनकोविच सैविच ने एक गोल किया।

डब्लूपीएल की नीलामी में शामिल होंगी 165 खिलाड़ी

मुंबई। महिला प्रीमियर लीग की नौ दिसंबर को यहां होने वाली नीलामी में कुल 165 खिलाड़ी शामिल होंगे। डब्लूपीएल का दूसरा संस्करण अगले साल फरवरी मार्च में आयोजित किया जाएगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने शनिवार को कहा, 'इन 165 खिलाड़ियों में 104 खिलाड़ी भारत की और 61 खिलाड़ी विदेशों की हैं। विदेशी खिलाड़ियों में 15 खिलाड़ी एसोसिएट देशों की हैं। कुल 56 खिलाड़ी ऐसी हैं जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला है जबकि 109 खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने का अनुभव नहीं है।' विज्ञप्ति के अनुसार, 'सभी पांच टीमों में अधिकतम 30 स्थान खाली हैं जिनमें से 9 स्थान विदेशी खिलाड़ियों के लिए हैं।'

पांच मैचों की सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त

विश्व कप हार के बाद टी20 श्रृंखला जीतने से मिली खुशी

▶▶| रायपुर

सलामी बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ ने कहा कि आक्रामक और निर्भीक रवैए की बदौलत भारतीय टीम आस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में जीत दर्ज करने में सफल रही। उन्होंने साथ ही उम्मीद जताई कि वनडे विश्व कप फाइनल में मिली निराशाजनक हार के बाद खेल प्रेमियों के लिए यह खुशी का मौका होगा। भारत ने शुक्रवार को चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में आस्ट्रेलिया को 20 रन से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला में 3-1 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। गायकवाड़ ने 'जियोसिनेमा' से कहा, 'मुझे लगता है कि हम सभी के लिए खुद को अभिव्यक्त करना और खेल का लुत्फ उठाना महत्वपूर्ण था।

प्रत्येक खिलाड़ी ने प्रत्येक चरण में अपनी जिम्मेदारी निभाई। इसलिए हम नतीजे से खुश हैं लेकिन अभी एक मैच और बचा है।' विश्व कप की निराशा के बाद क्या चर्चा हुई, इस बारे में पूछने पर गायकवाड़ ने कहा, 'चर्चा का लब्बोलुवाब यही था कि बस निर्भीक और आक्रामक खेलो। विश्व कप टीम के दो तीन सदस्य हमारे साथ थे। टीम में सकारात्मक माहौल था क्योंकि हम घरेलू टूर्नामेंट खेलकर आ रहे हैं और हर खिलाड़ी ने इसमें अच्छा प्रदर्शन किया था। हर खिलाड़ी आत्मविश्वास से भरा था। मैंने सीएसके के लिए खेलते हुए इस प्रारूप के बारे में काफी कुछ सीखा। माही भाई हमेशा हालात पढ़ने और खेल को समझने के लिए तत्पर रहते हैं।'

अक्षर पटेल को वर्ल्ड कप ना खेलने का है मलाल, कहा- 'इस पर किसी का बस नहीं है'

भारतीय स्पिनर अक्षर पटेल ने स्वीकार किया कि चोटिल होने के कारण वनडे विश्व कप से बाहर होने से वह निराश थे और इससे उबरने में उन्हें एक सप्ताह का समय लगा। इस 29 वर्षीय खिलाड़ी को विश्व कप के लिए भारतीय टीम में चुना गया था लेकिन एशिया कप के दौरान वह चोटिल हो गए थे जिसके कारण उन्हें बाहर होना पड़ा। उनकी जगह रविचंद्रन अश्विन को विश्व कप की टीम में शामिल किया गया था। अक्षर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, निश्चित तौर पर इससे किसी को भी निराशा होती।विश्व कप भारत में हो रहा था लेकिन मैं चोटिल हो गया। शुरूआत के कुछ दिनों तक में इसके बारे में सोच रहा था कि चोट के कारण मैं नहीं खेल पा रहा हूं। उन्होंने कहा, लेकिन टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही थी इसलिए 5-10 दिन बाद मैंने फिर से अभ्यास शुरू कर दिया। लेकिन जब आप चोट के कारण बाहर हो जाते हैं और उन 5-10 दिन में कुछ भी नहीं कर पाते हैं तो आपको बुरा लगता है। इसके बाद मैंने अपनी पुरानी दिनचर्या शुरू कर दी थी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 श्रृंखला में वापसी करने वाले अक्षर ने कहा, मैं निराश था लेकिन ऐसा चोट के कारण हुआ था। इस पर किसी का नियंत्रण नहीं है। यह खेल का हिस्सा है। अक्षर पटेल ने आगे कहा कि, अगर आप चोटिल होने के कारण कुछ समय के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से बाहर रहकर वापसी करते हैं तो आप खुद को साबित करने की कोशिश करते हो। इसके साथ ही आपको अपने शरीर का भी ध्यान रखना होता है इसलिए मैं एक समय में एक मैच पर ही ध्यान देता हूं।

बॉलीवुड

स्टाइलिश कैप्स लुक

मशहूर हस्तियों के लुक में चार चांद लगाने वाली विभिन्न एक्सेसरीज में से 'कैप' अभिनेत्रियों के लिए लोकप्रिय पसंद बन गई है, जो आराम और ठाठ के बीच संतुलन बनाती हैं। बॉलीवुड अभिनेत्रियाँ जिन्होंने स्टाइलिश टोपी लुक अपनाया -

सारा अली खान:
सारा अली खान ने मैचिंग क्रॉप टॉप और सफेद पैंट के साथ गुलाबी टोपी पहनकर जीवंत लुक चुना। उनके पहनावे में बार्बी जैसा आकर्षण बोल्ड फैशन स्टेटमेंट बना, जिसने उनके युवा और मौज-मस्ती भरे व्यक्तित्व को पूरी तरह से दर्शाया। टोपी से सजी स्टाइलिश से खुद को रोक नही सकता है।

रश्मिका मंदाना:
रश्मिका मंदाना ने 'क्वीन' शब्द के साथ काली टोपी पर था, जिससे उनके पहनावे में आत्मविश्वास जुड़ गया। भूरे रंग का स्वेटपैंट और ढीली सफेद टी-शर्ट पहनी, जो गहरे चश्मे के साथ पूरी थी। इसमें सहजता के साथ आकर्षक शैली का मिश्रण है। जीवंत रंगों को अपनाना हो, सकारात्मक संदेश फैलाना हो, आत्मविश्वास दिखाना हो या क्लासिक लालित्य बनाए रखना हो, फैशन के लिए मानक ऊंचे रखे है।

कृति खरबंदा:
साहसिक और सकारात्मक संदेश दिया। काली टोपी, जिस पर नीयन बहुरंगी फ़ॉन्ट में 'दयालु बनें' शब्द लिखे हैं। इसे बाइकर शॉर्ट्स और बड़े आकार के सिल्वर जैकेट के साथ कृति की पोशाक के लिए फैशन-फॉरवर्ड प्रदर्शन करता है।

अनुष्का शर्मा:
अनुष्का ने अपना लुक सिंपल व आकर्षक बनाए रखा। हल्के गुलाबी रंग की टी-शर्ट और काली टोपी पहने उसने सहजता से आराम और स्टाइल का संयोजन किया। अनुष्का की सादगीपूर्ण सुंदरता ने दर्शाया कि कभी-कभी, कम वास्तव में अधिक होता है। अलमारी में टोपी को शामिल करने की कला में महारत हासिल कर ली है।

राधिका मदान की सना

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक सुधांशु सरिया द्वारा निर्देशित फिल्म ऐतिहासिक पल बना रही है। राधिका मदान की मुख्य भूमिका वाली इस फिल्म का इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया के 54वें एडिशन में फिल्म के निर्देशक सुधांशु सरिया और राधिका मदान, पूजा भट्ट, शिखा तलसानिया और निखिल खुराना सहित पूरी कास्ट के लिए पहली बार साथ आए। सरिया ने कहा 'मैं खुद को दुनिया के टॉप पर महसूस करता हूं। हमें मान्यता की आवश्यकता नही है लेकिन जो अविश्वसनीय सराहना मिली है। यह फिल्म से जुड़े हर किसी की कड़ी मेहनत का नतीजा है। सही लोगों ने अपना दिल और जान लगा दी और सब ठीक हो गया। मैं इस तरह के सम्मान के लिए बेहद आभारी हूं और उन यादों के साथ घर वापस जा रहा हूं, जिन्हें मैं जीवन भर संजो कर रखूंगा।' 'सना' सोशल ड्रामा है, जो जिद्दी और महत्वाकांक्षी लड़की की कहानी है। 'सना' में सोहम शाह, शिखा तल्सानिया और पूजा भट्ट महत्वपूर्ण भूमिका में है।

राशि की दिल छूने वाली झलक

राशि खन्ना ने सोशल मीडिया पर अपनी भावनाएं साझा की। अभिनेत्री ने सह-कलाकार, प्रतिभाशाली विक्रांत मैसी को श्रेय दिया। खन्ना ने निर्देशक बोधायन रॉयचौधरी का भी आभार व्यक्त किया और कहा यह इस खूबसूरत फिल्म का रैप है जो मेरे दिल के बहुत करीब है..! टूटे हुए चरित्र को विकसित करते समय घबराई हुई झटके, भीतर का तूफान, ऐसे व्यक्ति के मानस में गहरा गोता लगाना, अभिनेता के रूप में सीमाओं को पार करने के लिए बेसब्री से इंतजार करती है।

शशांक के साथ सेल्फी पोस्ट की मनीष ने

अभिनेता और होस्ट, मनीष पॉल ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर प्रसिद्ध भारतीय फिल्म लेखक और निर्देशक शशांक खेतान के साथ तस्वीर पोस्ट की। अटकलें तेज है प्रशंसक और मीडिया सोच रहे है कि क्या मनीष और शशांक आगामी परियोजना में साथ है। 'जुग जुग जीयो' और 'रफूचक्कर' वाले मनीष को भी धर्मा ऑफिस में स्पॉट किया गया था।

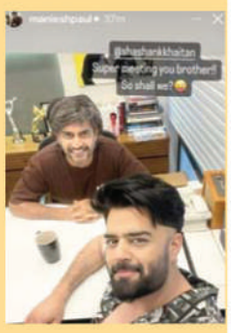

'ट्रिपलिंग' काम नहीं करती - अमोल पाराशर

टीवीएफ 'ट्रिपलिंग' सड़क यात्रा पर तीन भाई-बहनों - चंदन, चंचल और चितवन - के पलायन पर केंद्रित है जो ओटीटी पर रिलीज होगी और जिसने पारिवारिक संबंधों और भावनाओं के रोलरकोस्टर के लिए लोकप्रियता हासिल की। शो के कलाकार सुमीत व्यास, मानवी गगरू और अमोल पाराशर ने बात की। सुमित ने कहा- 'ट्रिपलिंग के साथ, हम थोड़ा डरे हुए थे क्योंकि भारत में यह पहला वेब शो था, जिसे बढ़ाया गया था। बहुत सारी चीज़ें पहली बार हो रही थी इसलिए हम बस यही उम्मीद कर रहे थे कि यह उतरे और लोग इसे देखें।' अमोल पाराशर ने कहा- 'मुझे लगता है कि भाई-बहन दीर्घकालिक दोस्त होते है। यह मज़ाक है, और हम तीनों शो में आने से पहले एक-दूसरे को जानते थे। एक-दूसरे के साथ आश्वस्त और सुरक्षित है।' अंत में, सुमित ने कहा- 'ओटीटी पर देखने का पैटर्न बहुत कठिन है क्योंकि टेलीविजन देखना थोड़ा आदतन देखने जैसा है। सिनेमाघरों में फिल्म देखने के लिए पैसे चुकाते है इसलिए संभावना है कि आप फिल्म देखने के लिए बैठे रहेंगे। लेकिन ओटीटी देखने का बहुत ही व्यक्तिगत अनुभव है, इसलिए इसकी संभावना बहुत कम है कि आप इसे पसंद न करें और उससे चिपके रहें। इसलिए आपको जो मान्यता मिलती है, उससे कुछ-कुछ महसूस होता है।'

शाहिद कपूर और पूजा हेगड़े की एक्शन-थ्रिलर

अभिनेता पावेल गुलाटी एक्शन थ्रिलर के मुख्य कलाकारों में शामिल हो गए है, जिसमें शाहिद कपूर मुख्य भूमिका में है। फिल्म निर्माता रोशन एंड्रयूज द्वारा निर्देशित 'देवा' हाई-प्रोफाइल मामले में फंसे प्रतिभाशाली लेकिन विद्रोही पुलिस अधिकारी की मनोरंजक कहानी है। पावेल ने कहा - 'मै शाहिद कपूर और एंड्रयूज जैसी असाधारण प्रतिभाओं के साथ सहयोग करने के लिए रोमांचित हूं। मेरे लिए महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, लेकिन यह चुनौती भी है। यह मजेदार यात्रा है।' 'देवा' सस्पेंस, धोखे और हाई-स्टेक एक्शन की रोलरकोस्टर सवारी है। शाहिद कपूर, पूजा हेगड़े की मुख्य भूमिका वाली 'देवा' 11 अक्टूबर 2024 को रिलीज होने वाली है।

टीवी

प्रोतिमा की कहानी खत्म

कलर्स का 'नीरजा... एक नई पहचान' पर नीरजा (आस्था शर्मा) भोली-भाली लड़की से बदलकर सामाजिक मानदंडों को चुनौती देने वाली दृढ़संकल्पित युवा महिला बन गई है। आस्था शर्मा कहती हैं- 'सोनागाछी की लड़की अपनी मां की रक्षा करने, सम्मानजनक जीवन पाने और प्यार पाने के लिए किस हद तक जा सकती है। नीरजा को यह झटका लगा, जिससे उसका भविष्य अनिश्चित हो गया है। प्रतिमा के गायब होने से कई बातों के जवाब नही मिल पा रहे हैं।'

संस्कृतियों और जुदा नजरियों के टकराव

ज़ीटीवी का शो 'कैसे मुझे तुम मिल गए' प्रेम कहानी है। यह कहानी मुंबई में शुरू होती है। शो आजकल के प्यार की बारीकियों में झांकता है। दोनों के विचारों का टकराव दिलचस्प कहानी के लिए जमीन तैयार करता है, जो 'एक का प्यार में यकीन अटूट है, तो दूजा माने इश्क ही झूठ है'। सृति झा और अर्जित तनेजा की जोड़ी असल जिंदगी में पक्के दोस्त है। सृति झा ने कहा- 'अर्जित के साथ काम करना बेहद खुशनुमा अनुभव होगा। हम सिर्फ को-स्टार्स नहीं बल्कि बहुत अच्छे दोस्त भी है और यह प्यार, ड्रामा और अनजाने मोड़ से भरा सफर है, जो सबको बांध लेगा।' सृति झा और अर्जित तनेजा दिल्ली पहुंचे। अर्जित ने कहा, 'बेस्ट फ्रेंड के साथ जोड़ी बनाने का उत्साह तो जैसे सोने पे सुहागा है। मेरे शहर दिल्ली में पले-बढ़े होने के कारण मै यहां अक्सर आता रहता हूं और बाकी पकवानों के साथ-साथ स्ट्रीट फूड का मजा लेने के लिए 'बंगाली मार्केट' जरूर जाता हूं।

मयंक ने एक करोड़ जीते

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न के गेम शो 'कौन बनेगा करोड़पति 15' के 'केबीसी जूनियर्स वीक' में हरियाणा के महेंद्रगढ़ के प्रतियोगी मयंक ने 1 करोड़ अंक जीतने वाला सबसे कम उम्र का बच्चा बनकर इतिहास रच दिया! उनकी यह उपलब्धि आत्मविश्वास, तैयारी और दृढ़ता के महत्व को दर्शाती है, क्योंकि उन्होंने हर सवाल का आसानी से जवाब दिया,उन्होंने होस्ट अमिताभ बच्चन को भी प्रभावित किया। मयंक के ज्ञान से हैरान बिग बी ने उनके माता-पिता की ओर रु ख किया और उनसे विभिन्न विषयों पर मयंक के असाधारण ज्ञान के बारे में सवाल किया। उन्हें मयंक पर बहुत गर्व था और शिक्षा के मामले में वे उसकी विविध रुचियों को स्वीकार करते है। मयंक ने कहा- 'मै बहुत भाग्यशाली महसूस करता हूं कि मुझे अपना ज्ञान दर्शाने और अमिताभ सर के साथ गेम खेलने का मौका मिला।

छाया और संज्ञा की भूमिका में सुहासी

शेमारू टीवी के नए शो 'कर्माधिकारी शनिदेव' के साथ पौराणिक कथा से भी रूबरू कराएगा। शनि देव को उनके क्रोध के लिए उन्हें जाना जाता है। छाया और संज्ञा की भूमिकाएँ निभाने के लिए सुहासी धामी को चुना गया है। सुहासी ने बताया, '5 साल बाद स्क्रीन पर वापसी करते हुए, मेरे लिए अब तक की सबसे खूबसूरत जनी होगी। पौराणिक शोज हमेशा अनोखा स्वाद लेकर आते हैं साथ ही हमें कई चुनौतियों का सामना भी करना पड़ता है। उनमें से है भाषा में महारत हासिल करना, जैसे इनके संवाद अक्सर संस्कृत में होते हैं, हमें अपनी पंक्तियों के प्रति अधिक सचेत रहना पड़ता है।'

जीवन, प्रेम और विवाह पर तीन दृष्टिकोण

सोनी सब के शो, 'आंगन - अपनों का' में जीवन और विवाह पर शर्मा बहनों के दृष्टिकोण है। आयुषी खुराना सबसे छोटी बेटी पल्लवी शर्मा की भूमिका में है, अदिति राठौड़ आज्ञाकारी बेटी तन्वी शर्मा की और नीता शेट्टी सबसे बड़ी बेटी दीपिका शर्मा के रूप में है पल्लवी शादी को लेकर सवाल करती है कि शादी के बाद महिलाओं को अपनी प्राथमिकताएं क्यों बदलनी पड़ती है और अपने माता-पिता को पीछे छोड़ना पड़ता है, जबकि सबसे बड़ी बहन, दीपिका घर, ज़िम्मेदारियों और फलते-फूलते करियर के बीच संतुलन का प्रतीक है। आज्ञाकारी बेटी, पत्नी और बहू के रूप में तन्वी अलग नज़रिया लाती है।

रोहित ने अमिताभ बच्चन को दिया श्रेय

रोहित रॉय ने अपने अभिनय करियर पर अमिताभ बच्चन के गहरे प्रभाव को लेकर चर्चा की।रोहित ने कहा- 'मै अमिताभ बच्चन का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। उनकी स्क्रीन उपस्थिति और वास्तविक जीवन की आभा मुझे पागलपन की हद तक आकर्षित करती है। जिस तरह से वह खुद को स्क्रीन पर प्रस्तुत करते है, वह मुझे बहुत पसंद है, मै उनकी वजह से अभिनेता बन पाया। मेरे मन में कोई विशेष भूमिका नही है। बचपन में, मै 'जंजीर' में अमिताभ का किरदार निभाने की इच्छा रखता था। बाद में मेरी चाहत 'सत्ते पे सत्ता' पर आ गई। अमिताभ बच्चन ने जो भी किरदार निभाया है, मै उसी तरह की भूमिका निभाना पसंद करूंगा। उनके प्रति मेरा आकर्षण गहरा है; वास्तव में, मै खुद को थोड़ा ईर्ष्यालु पाता हूं कि मेरे दोस्त अभिषेक बच्चन का स्वभाव भी अमिताभ बच्चन जैसा ही है।' स्टार भारत के 'सौभाग्यवती भवः नियम और शर्तें लागू' में रोहित, डीसीपी अविनाश के रूप में जारी रखेंगे।

आवारा कुत्ते को लेकर छिड़ी बहस

सोनी सब का शो, 'वागले की दुनिया - नई पीढ़ी नए किस्से' आम आदमी के सामने आने वाली दैनिक चुनौतियों पर प्रकाश डालता है। वागले परिवार को विदेशी एक्सचेंज स्टूडेंट कैरेन और उसकी जीवनशैली को स्वीकार करते देखा। सोसायटी में आवारा कुत्ता आ जाता है, तो चर्चा शुरू हो जाती है कि कुत्ते के साथ क्या किया जाए। राजेश वागले की भूमिका निभा रहे, सुमीत राघवन ने कहा, 'मै खुद डॉग लवर हूं और मेरे पास अपने इंडी कुत्ते है। कुत्ते जीवन में बहुत खुशी लाते है, और आवारा कुत्ते से जुड़ी कहानी को शामिल करके हम करुणा, समझ और समुदाय के विषयों को समझ सकते है। भावनाओं और चुनौतियों का मिश्रण है, यह डॉग लवर्स को पसंद आएगा।'

बोनी कपूर स्पेशल

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न का डांस रियलिटी शो, झलक दिखला जा 'बोनी कपूर स्पेशल' एपिसोड में प्रख्यात फिल्ममेकर और निर्माता बोनी कपूर की सिनेमाई विरासत को याद करेगा। 2009 में 'वांटेड' के साथ एक्शन को गेम में वापस लाने वाले बोनी कपूर ने खुलासा किया 'हमने इसे 2007 में बनाना शुरू किया था। क्योंकि उस दौर में सिर्फ रोमांटिक, पारिवारिक ड्रामा ही बन रहे थे और एक्शन कही गायब हो गया था। जितना मै समझता हूं, जनता को एक्शन फिल्म से सबसे बड़ी खुशी मिल सकती है। जब मैने इस फिल्म की शुरुआत की, तो मैने फैसला किया कि मै इसे बनाऊंगा, और इसे केवल सलमान खान के साथ ही बनाने का निर्णय लिया। मै फिल्म देखने के लिए सलमान के पीछे पड़ गया। शूटिंग आगे बढ़ जाने के कारण इसे रद्द कर दिया गया। दूसरे दिन भी वैसा ही हुआ। फिर तीसरे दिन मै उनके पास गया और कहा, सलमान, मै इसके बाद कभी नही आऊंगा। अगर आपको यह फिल्म पसंद नही आई तो मै आपको कभी दूसरी फिल्म ऑफर करने की कोशिश भी नही करूंगा।

रोमांस का तड़का

कलर्स के शो 'चांद जलने लगा' में देव (विशाल आदित्य सिंह) और तारा (कनिका मान) के फेयरीटेल रोमांस को दिखाया गया है। शीज़ान एम खान डॉ. अर्जुन का किरदार निभाएंगे, जो तारा के बचपन का दोस्त है और इस प्रेम त्रिकोण का तीसरा कोण बन जाता है। खान कहते है, 'यकीन है कि तारा और देव के सफर से प्यार की जटिलताओं को समझना चुनौतीपूर्ण और संतोषजनक होगा। मै इसके अविश्वसनीय रूप से प्रतिभाशाली कलाकारों, विशाल और कनिका के साथ काम करने और इस कहानी में नया पहलू लाने का इंतज़ार नही कर सकता।'

चुनौती देती हैं बाधाएं - सुम्बुल

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न पर 'काव्या - एक जज़्बा, एक जुनून' में काव्या (सुम्बुल तौकीर) के जीवन में उथलपुथल है! शुभम (अनुज सुलेरे) काव्या को शादी का प्रस्ताव देता है, लेकिन दुखी अधिराज (मिश्कत वर्मा) लंदन जाने का फैसला करता है। सुम्बुल कहती है, 'कहावत है कि जीवन में अक्सर अलग-अलग समय पर, बाधाएं लोगों को चुनौती देती है। जब दो लोग अलग-अलग मुश्किलों का सामना करते है, तो एक-दूसरे का समर्थन करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। जीवन में किसी मोड़ पर, हम खुद को उन स्थितियों में पाते है, जहां हमें प्यार और जिम्मेदारी के बीच चुनना पड़ता है क्योंकि वे हमेशा साथ नहीं आते है। यह काव्या और अधिराज के रिश्ते की वर्तमान स्थिति को दर्शाता है।'

पंकज त्रिपाठी के पिता चीजें भूल जाते थे

पंकज त्रिपाठी अपनी अगली रिलीज 'कड़क सिंह' में एके श्रीवास्तव की भूमिका निभा रहे है, जो भूलने की बीमारी से पीड़ित है। वह नियमित रूप से चीजों को भूलता रहता है और अपने अतीत से परस्पर विरोधी कहानियों का जाल उजागर करता है। पंकज त्रिपाठी से पूछा गया कि क्या वह असल जिंदगी में किसी ऐसे शख्स से मिले है, जो इस बीमारी से पीड़ित है। अभिनेता ने कहा- 'बिल्कुल प्रतिगामी भूलने की बीमारी नहीं है, लेकिन मेरे पिता को अपने आखिरी दिनों में डिमेंशिया था, इसलिए वह कभी-कभी चीजें भूल जाते थे। वह मुझसे पूछते थे कि मै शादीशुदा हूं या नहीं। अपनी फिल्म में मैने ये अनुभव किया है. चीजें भूलने की बीमारी या ऐसी स्थिति, जीवन में हर किसी को कभी न कभी अनुभव होती है।' कड़क सिंह बहुत ही दिलचस्प और स्तरित फिल्म है। फिल्म में पंकज के अलावा पार्वती थिरुवोथु, संजना सांघी और जया अहसन भी मुख्य भूमिका में है। सस्पेंस थ्रिलर अनिरुद्ध रॉय चौधरी द्वारा निर्देशित कड़क सिंह 8 दिसंबर का जी5 पर रिलीज़ होगी।

'डांस लाइक ए मैन' तनावों का अनुभव

महेश दत्तानी का नाटक, 'डांस लाइक ए मैन' कलात्मक परिवार में पीढ़ीगत संघर्ष और लैंगिक भूमिकाओं की जटिलताओं को चित्रित करता है। ज़ी थिएटर प्रस्तुति में अभिनय करने वाली सुचित्रा पिल्लई कहती है- 'यह टेलीप्ले पारिवारिक संघर्षों और लिंग-संबंधी हठधर्मिता पर प्रकाश डालता है और कई मायनों में प्रासंगिक है।' 'डांस लाइक ए मैन' की कहानी दो भरतनाट्यम नर्तकों, जयराज और रत्ना के इर्द-गिर्द है, जो अपनी सफलता के शिखर को पार कर चुके है। अब उनकी बेटी लता नर्तकी के रूप में प्रशंसा अर्जित कर रही है। यह विफल महत्वाकांक्षाओं और ईर्ष्या के कारण परिवार के भीतर पैदा हुए तनाव

पर प्रकाश डालता है। सुचित्रा कहती है, 'डांस लाइक ए मैन' ने मुझे जीवन की कई स्थितियों की याद दिला दी, जहां मैने लोगों को इस तरह के तनावों का अनुभव करते देखा है। मैने उन यादों का उपयोग अपने अभिनय को जीवंत बनाने के लिए किया। इसमें कुछ दृश्य हैं जिनकी उथल-पुथल से वास्तविक जीवन में बहुत से लोग शायद अनिभज्ञ रहे हों।' सुचित्रा कहती है, 'मैने अपने जीवन से बहुत कुछ सीखा और नृत्य की बात है तो अपनी बहनों से नोट्स लिए, जिन्होंने शास्त्रीय नृत्य में प्रशिक्षण लिया है। मै हमेशा से भरतनाट्यम सीखना चाहती थी और इस नाटक के कारण, मै अपनी बहन सुनीता पिल्लई से दो जटिल टुकड़े सीखने में सक्षम हुई, जिनका मै आज तक अभ्यास करती हूँ। मुझे खुशी होती है जब पेशेवर नर्तक मुझसे कहते है कि मै प्रशिक्षित नर्तकी के रूप में काम कर सकती हूँ।' सुचित्रा कहती है, आज भी कुछ ऐसी बातें होती है, जिन पर परिवार चर्चा करना पसंद नहीं करते, खासकर जब वे बातें अहंकार और महत्वाकांक्षाओं के टकराव से जुड़ी हों। रितेश मेनन द्वारा फिल्माए गए नाटक में लिलेट दुबे, विजय कृष्णा और जॉय सेनगुप्ता भी है।

काशी तमिल समागम की तैयारियों हेतु संयुक्त सचिव शिक्षा मंत्रालय की अध्यक्षता में बैठक आयोजित

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। पिछले वर्ष की भांति पुनः तमिल समागम का आयोजन आगामी 17 दिसंबर से वाराणसी में किया जाना प्रस्तावित है जिसके संबंध में कमिश्नरी सभागार में नीता प्रसाद, संयुक्त सचिव, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई इस बार तमिल समागम का आयोजन 17 दिसंबर से होना है जिसमें मेहमानों का प्रस्थान 15 दिसंबर को तमिलनाडु से ट्रेन के माध्यम से होगा` जिलाधिकारी द्वारा बताया गया कि अब तक लगभग तीस हजार पंजीकरण हुआ है जिसमें से 1500 लोगों को चुना जाना है जिनका आगमन सात विभिन्न शिफ्टों में होना है मेहमानों को इस बार दो दिन बनारस भ्रमण कराने के उपरांत प्रयागराज तथा अयोध्या जाना है।

मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा द्वारा पर्यटन, पुलिस तथा अग्निशमन की संयुक्त टीम बनाकर उनके ठहरने हेतु चिन्हित होटल, हाइजीन, खाने की गुणवत्ता तथा सुरक्षा व्यवस्था हेतु सभी तैयारियों की समीक्षा का निर्देश दिया उन्होंने नगर निगम व स्मार्ट सिटी को संयुक्त रूप से नमो घाट पर टॉयलेट आदि के संबंध में उचित व्यवस्था करने का निर्देश दिया` मंडलायुक्त ने अतिथियों के स्वागत हेतु अंगवस्त्रम तथा मोमेंटो खरीदने हेतु निर्देशित भी किया। मंडलायुक्त ने सभी स्टाल को 15 दिसंबर तक पूरी तरह चालू करने हेतु निर्देशित करते हुए कहा ताकि 16 दिसंबर को रिहर्सल हो सके। जिलाधिकारी एस राजलिंगम द्वारा बताया गया कि अतिथि 15 दिसंबर को चलकर 17 दिसंबर को पहुंचेंगे उसके उपरांत वो लोग विश्वनाथ मंदिर, विशालाक्षी मंदिर, अन्नपूर्णा मंदिर, काल भैरव मंदिर में दर्शन-पूजन में भाग लेंगे अगले दिन सभी अतिथि हनुमान घाट पर गंगा स्नान के उपरांत मंदिर में दर्शन पूजन करेंगे तथा सुब्रह्मण्यम भारती जी के घर जायेंगे तत्पश्चात सभी लोग नमो घाट जायेंगे जहां लंच के उपरांत स्टॉल भ्रमण करेंगे तथा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेंगे` सभी लोग क्रूज से गंगा आरती देखने के बाद आयोजित डिनर में भाग लेंगे उसके बाद अतिथियों को प्रयागराज ले जाया जायेगा वहाँ घूमने के बाद सभी लोग अयोध्या दर्शन हेतु प्रस्थान करेंगे वहाँ से पुनः सभी लोग बनारस आयेंगे तथा यहां से वो लोग ट्रेन से तमिलनाडु को प्रस्थान करेंगे। स्टेशन पर उनके स्वागत करने को प्रशासन अपनी पूरी

तैयारी करेगा। जिलाधिकारी ने नमो घाट पर बैरिकेडिंग हेतु भी निर्देशित किया ताकि भीड़ से अतिथियों को अलग रखा जा सके` जिलाधिकारी द्वारा अतिथियों को ठंड से बचाव हेतु ऊनी वस्त्रों की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चत करने को कहा गया उन्होंने सभी स्टालों पर वाराणसी व तमिलनाडु की वस्तुओं को रखने हेतु निर्देशित किया। आईआईटी मद्रास द्वारा 27 नवंबर 2023 को पंजीकरण पोर्टल के लॉन्च के साथ ही काशी तमिल संगमम के दूसरे चरण का मंच पूरी तरह तैयार हो गया है इस एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम का दूसरा संस्करण 17 दिसंबर से होना प्रस्तावित है यह 30 दिसंबर 2023 तक आयोजित पवित्र तमिल मार्गली महीने का पहला दिन है पहले संस्करण की तरह, यह कार्यक्रम जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों के परस्पर जुड़ाव में सहायता प्रदान करके प्राचीन भारत के शिक्षा और संस्कृति के दो महत्वपूर्ण केंद्रों वाराणसी और तमिलनाडु के बीच जीवंत संबंधों को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य को आगे बढ़ाने का प्रस्ताव करता है। काशी तमिल संगमम (केटीएस) के दूसरे चरण में यह प्रस्तावित है कि तमिलनाडु और पुदुचेरी के लगभग 1500 लोग यात्रा में लगने वाले समय सहित 8 दिनों के एक गहन दौरे के लिए ट्रेन से वाराणसी, प्रयागराज और अयोध्या की यात्रा करेंगे` उन्हें 7 समूहों में विभाजित किया जाएगा जिसमें छात्र, शिक्षक, किसान और कारीगर,व्यापारी और व्यवसायी,धार्मिक व्यक्ति, लेखक और पेशेवर लोग शामिल होंगे प्रत्येक समूह का नाम एक पवित्र नदी (गंगा,यमुना, सरस्वती, सिंधु, नर्मदा, गोदावरी और कावेरी) के नाम पर रखा जाएगा। ये प्रतिनिधि ऐतिहासिक, पर्यटन और धार्मिक रुचि के स्थानों की यात्रा करेंगे और अपने कार्यक्षेत्र से संबंधित उत्तर प्रदेश के लोगों के साथ बातचीत करेंगे।

केटीएस 2.0 जागरूकता सृजन और पहुंच, लोगों में परस्पर जुड़ाव और सांस्कृतिक तन्मयता पर जोर देने वाला एक स्पष्ट प्रारूप होगा इसमें सर्वोत्तम प्रथाओं में अभिज्ञान प्राप्त करने, शिक्षण को बढ़ावा देने और विचारों का आदान - प्रदान करने के लिए स्थानीय समकक्षों (बुनकरों, कारीगरों,कलाकारों, उद्यमियों, लेखकों आदि) के साथ अधिक जुड़ाव और बातचीत करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। शिक्षा मंत्रालय इस कार्यक्रम के लिए नोडल मंत्रालय होगा जिसमें एएसआई, आईआरसीटीसी सहित रेलवे, पर्यटन, कपड़ा, खाद्य प्रसंस्करण (ओडीओपी), एमएसएमई, सूचना और प्रसारण, एसडी एंड ई और उत्तर प्रदेश सरकार के संबंधित विभागों सहित संस्कृति मंत्रालय की भागीदारी होगी` पहले चरण से मिली सीख का लाभ उठाने और अनुसंधान के लिए उनकी प्रतिष्ठा को देखते हुए आईआईटी मद्रास तमिलनाडु और बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश में कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में काम करेगा। प्रतिनिधि यात्रा कार्यक्रम में 2 दिन जाने की यात्रा - 2 दिन वापसी यात्रा बनारस की और 1-1 दिन की प्रयागराज और अयोध्या की यात्रा शामिल होगी` तमिलनाडु और काशी की कला संस्कृति, हथकरघा, हस्तशिल्प, व्यंजन और अन्य विशेष उत्पादों का प्रदर्शन करने वाले स्टॉल लगाए जाएंगे वाराणसी के नमो घाट पर तमिलनाडु और काशी की संस्कृतियों के मिश्रण वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे इस अवधि के दौरान ज्ञान के विभिन्न पहलुओं जैसे साहित्य, प्राचीन ग्रंथ, दर्शन, आध्यात्मिकता, संगीत, नृत्य, नाटक, योग, आयुर्वेद, हथकरघा, हस्तशिल्प के साथ-साथ आधुनिक नवाचार, व्यापार आदान- प्रदान, एडुटेक और अन्य पीढ़ी की अगली तकनीक और अकादमिक आदान-प्रदान जैसे सेमिनार, चर्चा, व्याख्यान आदि का आयोजन किया जाएगा।

सोती रही पुलिस रात भर अज्ञात चोरों ने जम कर मचाया तांडव, घर में रखे नगदी समेत लाखों के सवर्ण आभूषणों पर किया हाथ साफ, पुलिस जॉच में जुटी

प्रखर संतकबीरनगर। जाड़े के मौसम ने जैसे ही दस्तक दी, चोरी जैसी घटनाओं में इजाफा देखने को मिल रहा है। शादियों का माहौल भी है। लोगो के द्वारा अपने घरों को बंद कर रिश्तेदारों के यहां शादियों में आने जाने का सिलसिला चल रहा है। इसी क्रम में संतकबीरनगर जिले के खलीलाबाद शहर स्थित पश्चिमी बंजरिया में बीती रात चोरों ने जमकर तांडव मचाया। परिवार के मुखिया राम सकल का कहना है कि हम अपने पुश्तैनी गांव कार्यक्रम में गए हुए थे। घर पर कोई नहीं था। घर बंद था। जब सुबह हम लोग वापस आए तो, देख की मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ है। जब अंदर घुस गया तो अंदर का नजारा देख हम लोग बहुत बुरी तरह घबरा हो गए। घर के मुखिया राम सकल ने बताया कि घर के अंदर पांच कमरे के ताले टूटे हुए थे। घर में रखे बक्से

अलमारी के भी ताले टूटे हुए थे। उसके अंदर रखा हुआ सारा सामान बिखरा पड़ा था। हमारे चार लड़के हैं चारो लड़कों की बहुएं और हमारी पत्नी के स्वर्ण आभूषण रखे हुए थे घर के अंदर और शादी के माहौल में कई जगह जाना आना था। तो घर में कुछ नगदी भी रखे हुए थे। जिस पर घर में चोरी के दरमियान चोरों ने सब कुछ उठा ले गए। इस घटना से मैं और मेरा पूरा परिवार सदमे में हैं मेरी चारों बहूओ का रो-रो कर बुरा हाल है। मेरी पत्नी तो रो-रो कर कई बार बेहोश हो चुकी है। घर में हुए चोरी की घटना की सूचना कोतवाली पुलिस को दी गई हैं । वही पीड़ित परिवार से चोरी की घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची डायल 112 की पुलिस ने राम सकल के घर पहुंचकर जांच में जुटी हुई है। खबर लिखे जाने तक पीड़ित परिवार के तरफ से कोई तहरीर नहीं प्राप्त हुई थी।

शक्तिधाम आश्रम की ओर से कटेसर ग्राम मे लगाया गया निःशुल्क मोतियाबिंद शिविर

प्रखर वाराणसी। विश्वप्रसिद्ध आध्यात्मिक संत जगद्गुरु साई माँ लक्ष्मी देवी मिश्रा की प्रेरणा एवं आशीर्वाद से हरिशचंद्र घाट रोड स्थित शक्तिधाम आश्रम की ओर से शनिवार को निःशुल्क आंखों की जांच एवं मोतियाबिंद शिविर का आयोजन किया गया। शक्तिधाम आश्रम के प्रबंधक मनीष गुप्ता ने बताया कि शक्तिधाम आश्रम की ओर से पांच गांवो में निशुल्क आंखों की जांच एवं मोतियाबिंद शिविर का आयोजन सुनिश्चित किया गया है इसी क्रम में शनिवार को पड़ाव रामनगर मार्ग स्थित कटेसर गांव में निःशुल्क आंखों की जांच एवं मोतियाबिंद जांच का शिविर लगाया गया इस अवसर पर कटेसर की ग्राम प्रधान नीलम यादव के प्रतिनिधि विजय यादव उपस्थित थे` प्रधान प्रतिनिधि विजय यादव को शक्तिधाम आश्रम की ओर से डेविड ओग्रेडी एवं चक्रवर्ती विजय

नावड ने शाल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। वाराणसी आई बैंक सोसाइटी के डॉ अजय मौर्य के नेतृत्व में सैकड़ो लोगों के आंखों की जांच एवं मोतियाबिंद की जांच की गई जिसमें मोतियाबिंद के मरीज का ऑपरेशन आने वाले दिनों में सुनिश्चित किया गया है जिन लोगों की आंखों की जांच की गई है उन सभी को निःशुल्क चश्मा वितरण आगामी दिनों में ग्राम पंचायत भवन, कटेसर में किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से आश्रम के प्रवीण खत्री , शुभम ,विनीत प्रजापति, शिखा वर्मा ,अंकित यादव , प्रद्युम्न पांडे, मोहम्मद शारिक ,अल्मास हसन, दीपांकर गुप्ता, अमित यादव ,शालिनी वर्मा , शशांक ,अभिनव सिंह आदि उपस्थित थे।

जीवात्मा और परमात्मा का मिलन ही रास है : आचार्य धरणीधर जी

प्रखर सन्तकबीरनगर। विकास खंड नाथनगर के अंतर्गत महुली में आयोजित श्रीमद् भागवत महापुराण की कथा में अयोध्या धाम से आए कथा प्रवक्ता आचार्य धरणीधर जी महाराज ने कहा शरीर नश्वर है, इसलिए इसे विभिन्न रूपों में भागवत भजन के कार्य में ही लगाना उत्तम प्रवृत्ति है। भागवत भजन के जरिए हम सत्य स्वरूप परमात्मा का ध्यान करते हैं कथा सुनने से मन की व्यथा दूर हो जाती है, यदि हृदय से कथा सुनेंगे तो आप को खुद ही साक्षात भगवान की अनुभूति होगी। कथा व्यास ने बाल लीला में सभी असुरों के वध का भी उल्लेख किया।आचार्य धरणीधर जी ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की रासलीला का वर्णन करते हुए बताया कि भगावन की अनेकतम लीलाओ में श्रीकृष्ण की रासलीला से श्रेष्ठतम है। रास तो जीव का शिव से मिलन की कथा है। रासलीला पर में जीव पर शका करना या काम को देखना ही पाप है उन्होने गोपी गीत पर बोलते हुए कहा कि जब जीव में अभिमान आता है तो भगवान उससे दूर हो जाते है लेकिन जब कोई भगवान को न पाकर विरह होता में होता है उस पर अनुग्रह करते है उसे दर्शन देते है।भगवान श्री कृष्ण के रूक्मिणी विवाह के प्रसंग को सुनाते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का प्रथम विवाह विदर्भ देश के राजा की पुत्री रूक्मिणी के साथ संपन्न हुआ लेकिन रूक्मिणी को श्रीकृष्ण द्वारा हरण कर विवाह किया गया कथा में समझाया गया कि रूक्मिणी स्वयं साक्षात लक्ष्मी है वह नारायण से दूर ही नही रह सकती यदि जीव अपने धन अर्थात भगवान के काम लगाये तो ठीक नही तो अन्य मार्गो से हरण हो ही जाता है धन को परमार्थ में लगाना चाहिए। जब कोई लक्ष्मी नारायण को पूजता है या उनकी सेवा करता है तो उन्हें भगवान की कृपा स्वयं प्राप्त हो जाती है। कथा में भगवान श्रीकृष्ण देवी रूक्मिणी के विवाह उत्सव को धूमधाम से मनाया गया। श्रद्धालु खुशियों से झूम उठे।

इस अवसर पर परशुराम मिश्र,राम चन्द्र मिश्र,अविनाश मिश्र, संजय दुबे, जनार्दन दुबे, कृष्ण देव दुबे, स्कंद मिश्र,आचार्य सच्चिदानंद मिश्र, अश्वनी तिवारी,नवीन मिश्र, नीरज मिश्र,श्रवण पाठक, टिल्लू राय, फूल चन्द्र राय समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

परिवार की बदहाली से मुख्यमंत्री को कराऊंगा अवगत: धर्मवीर प्रजापति

प्रखर खेतासराय (जौनपुर)। सूबे के कारागार एवं होमगार्ड राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नगर में झकझोर कर देने वाली घटित दोहरे हत्याकांड में पीड़ित परिवार को सांत्वना देने नगर पहुँचे। पीड़ित परिवार को सांत्वना देकर उन्हें ढाढस बंधाया। इस प्रकरण में न्याय में तेजी के लिए अपर पुलिस उपाधीक्षक को चार्जशीट शीघ्र पूरी करने का निर्देश दिया। परिवारजनों को हर मदद का आश्वासन। कारागार मंत्री बभनौटी स्तिथ सीधे पीड़ित के घर पहुँचे। मंत्री के सामने मृतकों की एक मात्र बहन विनीता और माँ मनभावती दहाड़ मारकर रोने लगी। उनके परिवार की हालत की जानकारी ली। परिजनों ने आरोपितों की कठोर सजा, नौकरी व अन्य मांगे रखी। जिस पर मंत्री ने उत्तर देते हुए कहा कि गुनाहगार जेल में है, मुल्जिमों पर कठोर कार्रवाई के लिए सरकार कटिबद्ध है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुझे यहां भेजा है, हमारी सरकार आपके साथ खड़ी है। परिवार की स्तिथि बहुत ही दयनीय है। सारी रिपोर्ट सीएम के समक्ष रखूंगा। एक सवाल के जवाब में कहा कि इस

घटना की जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से हुई है। जौनपुर पुलिस की तारीफ करते हुए कहा कि जिस तरीके से पाँच घण्टे में ही पुलिस इनकाउंटर में गिरफ्तार की है, उसके लिए वह बधाई के पात्र है। आरोपितों पर बुलडोजर चलाने के सवाल पर कहा कि इस के लिए यहाँ का जिला प्रशासन ही बता सकता है। इस मौके पर जेल अधीक्षक एसके पांडेय, सीओ शाहगंज शुभम तोंदी, एसओ चन्दन राय, प्रभारी निरीक्षक शाहगंज आदेश त्यागी, थानाध्यक्ष सरपतहा विनोद सिंह, खुटहन एसओ अरविंद सिंह, लेखपाल अशोक यादव, रूपेश उर्फ मोनू, बलिहारी, जगदम्बा पांडेय, अनिल प्रजापति समेत कर्मचारी व अधिकारी मौजूद रहे।

चालीस वर्ष से कम आयु के युवा 85 लाख लोग जेल के सलाखों मे- खेतासराय (जौनपुर)। कारागार राज्यमंत्री मंत्री धर्मवीर प्रजापति स्वजनों को दर्द बाटने के दौरान मृतक की बहन से कहा कि अब आपका भाई वापस नही आ सकता। अब सिर्फ गुनाहगारों को कड़ी सजा मिले इस के लिए हमारी सरकार परिवार के साथ खड़ी है। उन्होंने एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि भटके हुए नौजवान अपराध कर जेल के सलाखों में बिना किसी कारण है। जो परिवार और समाज के लिए दर्द बने हुए है। मेरे पास कारागार विभाग है, लगभग पचासी लाख युवा जेल के सलाखों के पीछे है।

सोहसा मोक्ष धाम निर्माण हेतु पूर्व केंद्रीय मंत्री कुँवर आरपीएन सिंह को सौंपा गया पत्रक

नयी दिशा के साथ दर्जनों गांव के सैकड़ों लोगों ने सोहसा मोक्ष धाम हेतु पूर्व मंत्री से लगाई गुहार

प्रखर कुशीनगर। कसया तहसील के छोटी गंडक नदी के तट पर स्थित सोहसा अंत्येष्टि स्थल का सोहसा मोक्ष धाम के रूप में विकास कराकर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने एवं सोहसा - दुबौली तट पर पक्का घाट निर्माण कराने हेतु नयी दिशा पर्यावरण सेवा संस्थान के तत्वावधान में क्षेत्र के दर्जनों गांव के सैकड़ों लोगों ने रविवार को पूर्व केन्द्रीय मंत्री कुँवर आरपीएन सिंह को उनके राज दरबार पडरौना स्थित कार्यालय पर पत्रक सौंप कर गुहार लगाई। पत्रक ग्रहण करते कुँवर आरपीएन सिंह ने कहा कि थोड़ा समय लग सकता है लेकिन आप सब विश्वास रखिये सोहसा मोक्ष धाम और पक्के घाट का निर्माण अवश्य कराऊंगा। जन समूह का नेतृत्व कर रहे नयी दिशा सचिव डॉ0 हरिओम मिश्र ने बताया कि सोहसा तट अंत्येष्टि स्थल के रूप में विख्यात है और लोक आस्था के इस पवित्र तट पर क्षेत्र के सैकड़ों गांव के लोग अपने परिजनों का दाह संस्कार करते हुए ईश्वर से मोक्ष की कामना करते हैं। वहीं

नदी के दूसरे तट दुबौली घाट पर छठ माँ की पूजा एवं अन्य धार्मिक कार्य सम्पन्न होते हैं। परंतु दुर्भाग्यवश शासन-प्रशासन की नजर से वंचित इस अंत्येष्टि स्थल तक जाने का रास्ता तक ठीक नही है और मूलभूत सुविधाओं से वंचित इस घाट पर वर्ष पर्यंत गंदगी का अंबार लगा रहता है। डॉ0 हरिओम ने कहा कि जन हित में यह कार्य बहुत जरूरी है और इस हेतु नयी दिशा परिवार और सैकड़ों गांव के लोग सदैव कुँवर आरपीएन सिंह और सरकार के आभारी रहेंगे। इस अवसर पर क्षेत्रीय जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि सतवंत यादव, ग्राम प्रधान सोहसा मुकेश राव, प्रधान दुबौली सेवा लाल यादव, प्रधान भठही बाबू सुभाष कान्दू, प्रधान दुमरी चुरामन छपरा डिम्पल पांडेय, प्रधान प्रतिनिधि खड्डा निशांत मिश्र, नरेंद्र नाथ त्रिपाठी, सत्यजीत सिंह, राम कोमल, सुग्रीव प्रसाद, बबलू मिश्र, हरेंद्र यादव, पेशकार गौड़, अजय कुमार, रामाश्रय वर्मा, हेमंत मिश्र, आशुतोष मिश्र, रिशुल पांडेय, आदित्य पांडेय, देवानंद, रमेश जायसवाल, सत्येंद्र मिश्र, रवि यादव, अमित मद्देशिया, अमन जायसवाल, अनिल तिवारी, सत्य प्रकाश राव, ज्ञानी जायसवाल, धीरज राव, साधू बैद्यनाथ, कन्हैया सिंह, ममता कश्यप, प्रकाम्य चतुवेर्दी, अश्वनी शुक्ल, अभिषाँक शर्मा, रंजीत राय, आशुतोष चतुवेर्दी, सीए अंजनी नंदन सिंह, विवेक पाल, कृष्ण कुमार, राकेश वर्मा, राजेश गुप्त, आकाश शर्मा, डॉ0 पवनेश मणि इत्यादि उपस्थित रहे।

ध्रुव नेत्रालय एवं चिकित्सालय पर निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया आयोजन, 51 बच्चों का किया गया निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण

प्रखर संतकबीरनगर। प्रदीप सिसोदिया ने आज धनघटा विधान सभा के सोना देवी बालिका इंटर कॉलेज एवं अमर फ्लावर्स एकेडमी नटवाबर संत कबीर नगर के बच्चों को स्वस्थ्य परीक्षण और दवा के लिए निःशुल्क लिया गोद विद्यालय के 51 बच्चो का आज ध्रुव नेत्रालय एवम चिकित्सालय पर निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिसमें आंखो से सम्बन्धित और अन्य बिमारियों का भी परीक्षण और निःशुल्क दवा वितरित किया गया, स्कूल के प्रबंधक वेद प्रकाश सिंह ने बताया मेरे स्कूल के जिन बच्चों को स्वास्थ्य से संबंधित समस्याएं थी उन्हे आज अवकाश के दिन समाजसेवी प्रदीप सिसोदिया जी से संपर्क करके इनके हॉस्पिटल से उपचार हेतु आग्रह किया जिसे उन्होंने अविलंब सहमति देते हुवे सभी बच्चों का स्वास्थ परिक्षण और निःशुल्क दवा उपलब्ध कराया तथा विधालय को स्वास्थ्य हेतु गोद लेने का निर्णय लिया और बच्चों का जलपान भी कराया, इस कार्यक्रम में ध्रुव नेत्रालय एवम चिकित्सालय के अनुभवी डाक्टर के साथ विद्यालय के अध्यापक अरविंद यादव, मिथिलेश मिश्रा, अर्चना सिंह, अशमा, अवनीश जी रहें।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस के जवानों ने गौरैया को बचाने के लिए लिया संकल्प

प्रखर वाराणसी। वीवंडर फाउंडेशन द्वारा चलाए जा रहे गौरैया बचाओ अभियान को जन-जन तक पहुँचाने की दिशा में 3 दिसम्बर रविवार कों पुलिस कमिश्नरेट सभागार, पुलिस लाइन वाराणसी में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया इस दौरान सैकड़ों पुलिस के जवानों ने दिन पे दिन विलुप्त होती जा रही गौरैया को बचाने के लिए संकल्प लिया और इस दौरान सभी जवानों ने अपने घरों के बालकनी एवं छत पे चिड़ियों के लिए दाना और पानी रखने का भी संकल्प लिया इस दौरान संस्था के अध्यक्ष गोपाल कुमार ने बताया कि गौरैया की अवैध व्यापार को रोकने एवं चाइनीज मांझा को बंद कराने की रोकथाम में पुलिस के जवानों की अहम भूमिका रही है अतः सभी जवानों से यह अपील किया की इस मुहिम में अपना योगदान देकर गौरैया बचाओ अभियान में अपनी सहभागिता दर्ज करे इस दौरान संस्था संरक्षक वर्षा प्रधान और संतराज (आरटीसी प्रभारी) भी मौजूद रहे।

भारत संकल्प यात्रा के दौरान चौपाल लगाकर दी गई जानकारी

प्रखर पिंडरा वाराणसी। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत रविवार को पिंडरा विकास खण्ड के फत्तेपुर व बरवां में चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। चौपाल में सभी विभागों द्वारा योजनाओं से सम्बधित स्टॉल लगाया गया। योजनाओं के प्रति जागरूक करने तथा योजनाओं से वंचित लोगों को आच्छादित करने के लिए 15 नवम्बर से 26 जनवरी 24 तक चलने वाली यात्रा के पड़ाव के तहत रविवार को फत्तेपुर बरवां में आयोजित जन चौपाल में पिंडरा विधायक डॉ अवधेश सिंह ने कहा कि पीएम ने सभी वर्गों के उत्थान के लिए योजनाए दी है।आयुष्मान कार्ड के माध्यम से पांच लाख रुपये तक के इलाज की व्यवस्था की गई है। चौपाल में विधायक ने प्राथमिक विद्यालय के परिसर से जा रही हाईटेंशन विद्युत तार को हटाने का आश्वासन दिया। इसके आलवा चौपाल में विभागों ने अपने विभाग से सम्बंधित सरकारी योजनाओं के बाबत जानकारी देने के लिए स्टॉल लगाया गया था। इस दौरान प्रतिभावान निपुण हुए छात्रो को सम्मानित किया गया। अंत में विकसित भारत के लिए संकल्प लिया गया। चौपाल के दौरान आयुष्मान कार्ड, आवास, राशन कार्ड, विधवा व वृद्धा पेंशन से वंचित लोगों की सूची बनाई गई। जिसमें विकास, शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य, राजस्व, पंचायत, बाल विकास विभाग समेत दर्जन भर विभाग के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। चौपाल में बीडीओ छोटेलाल तिवारी, एडीओ पंचायत अशोक चौबे, फौजदार शर्मा, अभिषेक राजपूत , महेश सिंह, बेचन सिंह आदि लोग प्रमुख रहे। कार्यक्रम का संचालन पूर्व ग्राम प्रधान पंधारी वर्मा व धन्यवाद ज्ञापन ग्राम प्रधान ऋषि नारायण पटेल ने किया।

अपने अधिकारों की लड़ाई के लिए एकजुट होना जरूरी : डॉ वीरेंद्र

प्रखर पिंडरा वाराणसी। दास प्रथा उन्मूलन दिवस के अवसर पर लोकजन सोशलिस्ट पार्टी के द्वारा रविवार को फूलपुर में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें लोकजन सोशलिस्ट पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ वीरेंद्र विश्वकर्मा ने दास प्रथा के बारे में लोगों को जागरूक करते हुए कहाकि शिक्षा से ही जीवन स्तर ऊँचा किया जा सकता है। उन्होंने कहाकि गुलामी की मानसिकता से ऊपर उठकर समाज से जुड़ना होगा और अपने हक और अधिकार के बारे में जानना होगा। जब तक सामाजिक चेतना नहीं आएगी तब तक सत्ता के द्वारा हिस्सेदारी, भागीदारी के नाम पर हमे ऐसे ही ठगा जाता रहेगा। इसलिए हम एकजुट होकर अपने हक अधिकार की लड़ाई लड़ें, इन ठगों को अब और ठगने का मौका नहीं देंगे। अब हमारा यही संकल्प रहे हम सब शिक्षित बने, संगठित रहे और संघर्ष करें।

हनुमान घाटी में असंतुलित होकर गहरी खाई में गिरा ट्रक

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। थाना क्षेत्रान्तर्गत हनुमान पहाड़ी पर सोनभद्र की तरफ से आ रहा गिट्टी लदा ट्रक वाहन संख्याःवढ64ळ8575 विपरीत दिशा से आ रही बाइक को बचाने के चक्कर में असन्तुलित होकर पलट गहरी खाई में चली गयी, जिससे ट्रक में आग लग गयी । चालक में किसी तरह खुद कर अपनी जान बचाई जलते ट्रक को देखकर केबिन में रखे रोकड़ समेत अन्य चीजों को निकालने का चालक द्वारा प्रयास किया गया जिस पर ट्रायल ब्लास्ट होने से वह भी घायल हो गया। राहगीरों ने किसी तरह चालक को बाहर निकाल पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पुलिस उच्चाधिकारी व थाना पुलिस बल द्वारा मौके पर पहुंचकर घायल वाहन चालक राजनाथ पुत्र इन्द्रदेव निवासी ग्राम मरवतिया थाना नौगढ़ जनपद चन्दौली को इलाज हेतु अहरौरा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भिजवाया गया है।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं